राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार 22 अक्टूबर 2024 वर्ष–7,अंक–270 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी की रुस यात्रा आज से : वंदे भारत की तकनीक के लिए पीएम मोदी से आग्रह कर सकते हैं पुतिन

नई दिल्ली(ईएमएस)। रुस के कजान में 22 एवं 23 अक्टूबर को 16वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। रुस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के न्यौते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें शामिल होने के लिए जा रहा है। इस मौत पर उम्मीद की जा रही है कि पीएम मोदी से वंदे भारत रेल प्रोजेक्ट को लेकर भी रुस बात कर सकता है। नियामक और तकनीकी बाधाओं की वजह से रूस की कंपनी ट्रांसमाश होल्डिंग(टीएमएच) वंदेभारत ट्रेनों का निर्माण नहीं कर पा रही है। इसके चलते 6.5 अरब डॉलर का प्रोजेक्ट लटका पड़ा है। रूस की कंपनी टीएमएच सरकारी कंपनी रेल विकास निगम लिमिटेड के साथ मिलकर इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। जुलाई में पीएम मोदी के मॉस्को दौरे के समय भी इस मुद्दे को उठाया गया था। जानकारों का कहना है कि इस बार भी रूस इस मामले को प्रमुखता से रखना चाहता है। पीएम मोदी मंगलवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे। इससे पहले जुलाई में दोनों नेताओं के बीच वार्षिक द्विपक्षीय बातचीत हुई थी। सितंबर में पुतिन ने कहा था कि पीएम मोदी से होने वाली मुलाकात मौजूदा प्रोजेक्ट्स के लिए अहम होगी। एक अन्य जानकार ने कहा, इस प्रोजेक्ट में आरवीएनएल और दो रूसी कंपनियां इक्विटी पार्टनर हैं। दो रूसी कंपनियों के शेयरहोल्डिंग में बदलाव की अपील की गई थी। ऐसा इसलिए किया गया था ताकि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों का असर इसपर ना हो। टीएमएच उन कंपनियों में शामिल है जिसपर अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए हैं। आरवीएनएल के प्रेस नोट के मुताबिक 29 मार्च 2023 को टीएमएच की सब्सीडरी कंपनी मेट्रोवैगनमैश, और लोकोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम और भारत की आरवीएनएल ने एसपीवी काइनेट रेलवे सलूशन्स के नाम से शेयरहोल्डिंग अग्रीमेंट पर साइन किए थे। इसके तहत 35 साल तक मेंटिनेंस की जिम्मेदारी भी ली जानी थी।

पन्नू ने फिर दी धमकी, 1 से 19 नवंबर के बीच की विमान यात्रा की तो....

नई दिल्ली। खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एयर इंडिया से सफर करने वाले यात्रियों को धमकी दी है। आतंकी पन्नू ने धमकी दी है 1 से 19 नवंबर के बीच एयर इंडिया से यात्रा की तो आप खुद जिम्मेदार होंगे। खास बात है कि यह धमकी ऐसे समय दी गई है, जब हवाई सेवाएं लगातार बम की अफवाहों का सामना कर रही हैं। रविवार को भी इन धमकियों के चलते कई उड़ानों पर असर पड़ा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सिख्स फॉर जस्टिस के प्रमुख पन्नू ने यात्रियों को 1 से 19 नवंबर के बीच एयर इंडिया विमान में यात्रा नहीं करने की चेतावनी दी है। बीते साल भी पन्नू ने इस तरह की धमकी दी थी। यह चेतावनी खासतौर से अंतरराष्ट्रीय यात्रा करने वालों को दी गई है। 23 जून 1985 में एयर इंडिया के बोइंग विमान में विस्फोट हो गया था। इस घटना के तार खालिस्तानी चरमपंथियों से जोड़े गए थे। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों ने बताया है कि अलग-अलग कंपनियों की 30 से ज्यादा उड़ानों में बम होने की धमकी मिल चुकी है। सूत्रों ने बताया कि सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये एअर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, विस्तारा, स्पाइसजेट, स्टार एयर और अलायंस एयर की 30 से ज्यादा घरेलू और विदेशी उड़ानों में बम होने की धमकी मिली थी। एक हफ्ते में भारतीय विमानन कंपनियों की कम से कम 70 उड़ानों में बम होने की धमकी मिल चुकी है। ये सभी धमकियां बाद में फर्जी निकलीं।

नायडू के बाद स्टालिन ने कहा.....नवविवाहित जोड़े 16 बच्चे पैदा करें

चेन्नई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बाद तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने भी ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपील की है। हिंदू धार्मिक और बंदोबस्ती बोर्ड द्वारा आयोजित कार्यक्रम में, जहां 31 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ, सीएम स्टालिन ने कहा कि नवविवाहित जोड़ों को 16 बच्चे पैदा करने चाहिए। स्टालिन ने कहा कि पहले बुजुर्ग नवविवाहित जोड़ों को 16 प्रकार की संपत्ति प्राप्त करने का आशीर्वाद देते थे, लेकिन अब समय आ गया है कि इसके बजाय 16 बच्चे पैदा करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि पहले '16 प्रकार की संपत्ति' का मतलब विभिन्न जीवन की समृद्धियों से था, जैसे गाय, घर, शिक्षा, ज्ञान, और अन्य संपत्तियां। लेकिन अब, उन्होंने कहा, बच्चे हमारी असली संपत्ति हैं और जनसंख्या बढ़ाने का समय आ चुका है। सीएम स्टालिन ने जनसंख्या घटने के संभावित परिणामों का हवाला दिया, इसमें उन्होंने कहा कि कम होती आबादी का असर तमिलनाडु की लोकसभा सीटों पर पड़ सकता है। उनका यह बयान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू के हालिया बयान से मेल खाता है, जिसमें नायडू ने दक्षिणी राज्यों में बढ़ती बुजुर्ग आबादी को लेकर चिंता जताकर अधिक बच्चे पैदा करने का सुझाव दिया था।

टनल में काम कर रहे श्रमिकों को आतंकियों ने गोलियों से भूना,डॉक्टर सहित 7 की मौत

जम्मू। हाल ही में मुख्यमंत्री बने उमर अब्दुल्लाह के विधानसभा क्षेत्र गांदरबल में बड़ा आतंकी हमला हुआ है। सोनमर्ग के पास गगनगीर इलाके में जेड मोड़ सुरंग निर्माण कर रही कंपनी में काम करने वाले मजदूरों पर रविवार की रात आतंकियों ने हमला कर छह मजदूरों और एक डॉक्टर की हत्या कर दी। कुछ अन्य मजदूर घायल हैं। इनमें पांच प्रवासी मजदूर भी हैं। हमले की जिम्मेदारी आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा के सहयोगी संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। हमला होते ही कर्मचारियों में भगदड़ मच गई। सुरक्षा बलों ने मौके पर पहुंचकर पूरे इलाके को घेर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है, ताकि आतंकियों को मार गिराया जा सके। आईजी वीके विर्दी भी मौके पर हैं। प्रवासी मजदूरों पर हाल के वर्षों में यह सबसे बड़ा आतंकी हमला है। आतंकियों की संख्या दो बताई जा रही है। यह वारदात शोपियां में बिहार के मजदूर अशोक चौहान के आतंकी हमले में मारे जाने के एक दिन बाद हुई है।

पीएम मोदी ने लोगों को संबोधित करके कहा

दुनिया में उथल-पुथल के बीच, भारत तेजी से बढ़ रहा... 21वीं सदी भारत की सदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया कि 21वीं सदी भारत की सदी क्यों है, देश किस तरह तेजी से आगे जा रहा है और दुनिया भर के निवेशक भारत की सबसे तेज बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनने को लेकर कैसे उत्साहित हैं। यह बताता हैं कि 21वीं सदी भारत की ही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत की तेज वृद्धि-दुनिया में सबसे तेज- और देश में बुनियादी ढांचे के निर्माण को देखकर कई वैश्विक रेटिंग एजेंसियों ने भारत के विकास के पूर्वानुमान को अपग्रेड किया है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के निवेशक भारत के विकास पर उत्सुकता से देख रहे हैं और सबसे तेजी से बढ़ते बाजार में निवेश करने को लेकर उत्साहित हैं।

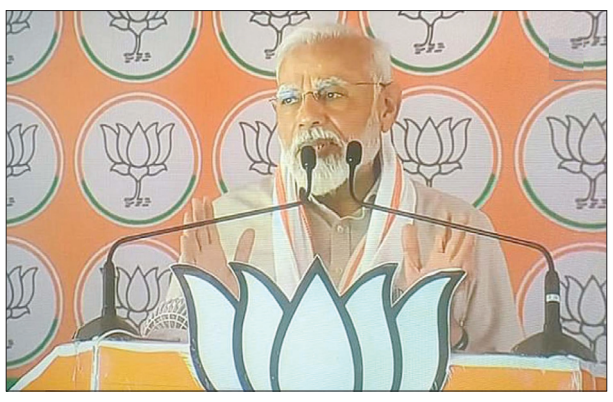

पीएम मोदी ने भारत को एक उभरती हुई शक्ति करार देकर कहा कि यह समय में जब दुनिया में उथल-पुथल मची हुई है, वह उम्मीद की एक किरण बना है तथा आशा का संचार कर रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत हर क्षेत्र में तेजी से विकास कर रहा है और इसका पैमाना अप्रत्याशित है।

उन्होंने कहा, आज जब चर्चा का केंद्र चिंता ही है, तब भारत में चर्चा का विषय है भारत की शताब्दी। दुनिया में मची उथल-पुथल के बीच भारत उम्मीद की एक किरण बना है। जब दुनिया चिंता में है, तब भारत आशा का संचार कर रहा है। मोदी ने कहा कि हालांकि भारत की अपनी चिंताएं हैं, लेकिन इसमें सकारात्मकता की भावना है जो सभी भारत के लिए महसूस भी करते हैं।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार तेजी से नीतियां बना रही है, निर्णय ले रही है, नए सुधार कर रही है। उन्होंने कहा, आज भारत हर सेक्टर में, हर क्षेत्र में जिस तेजी से काम कर रहा है, वह अभूतपूर्व है। भारत की गति, भारत का पैमाना अप्रत्याशित है।

प्रधानमंत्री ने मोदी 3.0 के शुरुआती 125 दिनों में किए गए विभिन्न कार्यों का उल्लेख कर कहा कि अब भारत भविष्य की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है और यह 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प में भी दिखता है। उन्होंने कहा, हमने गरीबों के लिए 3 करोड़ घरों के निर्माण, 9 लाख करोड़ रुपये की लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और 15 नई वंदे भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने दूरसंचार और डिजिटल भविष्य, वैश्विक सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र, वैश्विक फिनटेक उत्सव से संबंधित कार्यक्रमों में भी भाग लिया और नागरिक उड्डयन और नवीकरणीय ऊर्जा के भविष्य पर चर्चा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया। उन्होंने कहा, ये आयोजन उस विश्वास को प्रदर्शित करते हैं जो दुनिया का भारत में है।

शाह ने शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को पुलिस स्मृति दिवस पर यहां राष्ट्रीय पुलिस स्मारक जाकर शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर श्री शाह ने पुलिस कर्मियों को संबोधित करते हुए उनके कर्तव्य परायणता की सराहना की और कहा कि बहादुर और वीर पुलिस कर्मी देश का गौरव हैं। उन्होंने कहा कि ये पुलिसकर्मी कश्मीर से कन्याकुमारी और कीबितू से कच्छ तक देश की रक्षा में जुटे हैं।

उन्होंने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस पर वह पुलिस कर्मियों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि आज का दिन शहीद पुलिस कर्मियों की शहादत का सम्मान करने तथा उनके परिजनों को यह विश्वास दिलाने के लिए मनाया जाता है कि जिस उद्देश्य के लिए उनके परिवार के सदस्य ने बलिदान दिया है उसे हर हालत में पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस उन महान वीर पुलिस कर्मियों के सम्मान में मनाया जाता है जिन्होंने 21 अक्टूबर 1959 को चीन की साजिश का मुंह तोड़ जवाब देते हुए देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिया था।

गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 10 वर्षों के दौरान कश्मीर और पूर्वोत्तर के क्षेत्र में हमारे वीर पुलिस कर्मियों तथा सैनिकों के समर्पण से करीब करीब शांति बहाली हो गई है। उन्होंने कहा कि बहादुर सुरक्षाकर्मी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए समर्पित हैं। श्री शाह ने कहा कि तीन नए आपराधिक कानून यह सुनिश्चित करेंगे कि देश में दुनिया का सबसे बेहतर अपराधिक न्याय तंत्र स्थापित हो। इन नए कानून के पूरी तरह लागू हो जाने के बाद देश में किसी को भी न्याय के लिए 3 वर्ष से अधिक समय का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

सिर्फ मुस्लिमों की पार्टी नहीं है नेकां, हमने हिंदु को बनाया है डिप्टी सीएम: उमर अब्दुल्ला

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के नए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस केवल मुस्लिमों की पार्टी नहीं है। यदि ऐसा होता तो किसी भी हिंदू को उपमुख्यमंत्री नहीं बनाते।

परिणाम के बाद ही कुछ लोग कहना शुरू हो गए थे कि नेकां मुसलमानों और कश्मीरियों की पार्टी है, जिसमें जम्मू को कुछ नहीं मिलेगा, लेकिन हमने जम्मू से हिंदू उपमुख्यमंत्री बनाया।कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उमर ने कहा कि हिंदू उपमुख्यमंत्री बनाना उन लोगों को जवाब है, जो नेकां को परिवारवाद वाली पार्टी कहते थे। उपमुख्यमंत्री हिंदू है और जम्मू का है और मेरे परिवार से संबंध नहीं रखता है। पहले उपमुख्यमंत्री गठबंधन की मजबूरी में बनाए जाते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। बिना किसी मजबूरी या दबाव में हमने उपमुख्यमंत्री बनाया। पहली बार मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों एक पार्टी से हैं। अब हमारे विरोधी क्या कहेंगे।

मुख्यमंत्री बनने के बाद उमर अब्दुल्ला शनिवार को पहली बार जम्मू पहुंचे। पार्टी कार्यालय में उनका कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया। उमर भाजपा पर हमलावर रहे। सीएम ने कहा, कुछ लोगों ने बीते आठ सालों में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) को खत्म करने के लिए हर हथकंडा अपनाया। जिस तरह से परिसीमन करवाया, आरक्षण में बदलाव किया, उसका उद्देश्य सिर्फ एक पार्टी को लाभ पहुंचना था, लेकिन लोगों ने उस सब को एक तरफ रखकर सोच-समझकर वोट दिया। भाजपा पर आरोप लगाते हुए सीएम ने कहा कि बीते आठ सालों में हमारे नेताओं को डराया गया। कुछ लोग पार्टी छोड़ गए तो उन्हें लगा था, उनके जाने से पार्टी खत्म हो जाएगी, लेकिन नेकां कार्यकर्ताओं ने साबित कर दिया कि पार्टी नेताओं की नहीं कार्यकर्ताओं की है। चुनाव में जीते निर्दलीय उम्मीदवारों ने बिना किसी शर्त के पार्टी के साथ जुड़ने का फैसला लिया। खुद के लिए कुछ नहीं मांगा। अब फैसले कार्यालय या सचिवालय में नहीं लिए जाएंगेसीएम ने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं को सरकार से उम्मीद है।

उन्हें भी कई साल हुए हैं सचिवालय गए हुए। अधिकारियों को कुछ समय दो, उन्हें आदत हो जाए कि अब लोगों की सरकार है। अब फैसले बिना लोगों की राय के सचिवालय या अधिकारियों के कार्यालयों में नहीं लिए जाएंगे। अब प्रोजेक्ट और डीपीआर बनेंगे। लोग जो चाहेंगे, वह काम उनके इलाके में होगा।

पीएम मोदी ने वाराणसी से रीवा एयरपोर्ट का किया लोकार्पण

रीवा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनारस से मध्य प्रदेश के 6वीं रीवा एयरपोर्ट का वर्चुअली लोकार्पण किया। रीवा एयरपोर्ट परिसर में रविवार को आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, कि हम 999 रुपए में रीवा से भोपाल की हवाई यात्रा कराएंगे। इस दौरान मंच पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, रीवा के प्रभारी मंत्री प्रह्लाद पटेल एवं सांसद जनार्दन मिश्र भी मौजूद थे। रीवा एयपोर्ट के लोकार्पण के लिए बनारस से वर्चुअली जुड़े पीएम मोदी ने कहा, कि 2014 में हमारे देश में सिर्फ 70 एयरपोर्ट थे, अब 150 से ज्यादा एयरपोर्ट हो गए हैं। उन्होंने कहा कि पुराने एयरपोर्ट भी हम रिनोवेट कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, कि बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से यहां हजारों करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। इनमें देश और उत्तर प्रदेश के विकास को नई ऊंचाई देने वाले प्रोजेक्ट हैं। उन्होंने कहा कि आज यूपी-बिहार-पश्चिम बंगाल समेत एमपी और छत्तीसगढ़ में अलग-अलग एयरपोर्ट का भी शुभारंभ हुआ है।मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल समेत संस्कारधानी जबलपुर, खजुराहो, इंदौर और ग्वालियर के बाद अब रीवा में भी एयरपोर्ट बन गया है। इसे डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने लाइसेंस प्रदान किया है। यहां से एयरक्राफ्ट भी आसानी से उड़ान भर सकेंगे। एयरपोर्ट लोकार्पण से पहले रीवा एयरपोर्ट पर पहली दफा 19 सीटर विमान की लैंडिंग हुई। लैंडिंग के साथ ही विमान को वॉटर कैनन सैल्यूट देकर स्वागत किया गया। रीवा एयरपोर्ट के तय कार्यक्रमानुसार 5 नवम्बर से नियमित विमान उड़ान भरेगा। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा, कि हम 999 रुपये में रीवा से भोपाल की हवाई यात्रा कराएंगे।

राहुल गांधी के साथ रोड शो कर बुधवार को नामांकन दाखिल करेंगी प्रियंका गांधी वाड्रा

*** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, सहित कई नेता रहेंगे मौजूद**

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा बुधवार को उपचुनाव में वायनाड लोकसभा सीट के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। वे कलपेट्टा में रिटर्निंग अधिकारी के सामने नामांकन करेंगी। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी, और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सहित कई अन्य प्रमुख नेता मौजूद रहने वाले है। प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी कलपेट्टा नया बस स्टैंड पर 11 बजे रोड शो कर अपनी ताकत और समर्थन का प्रदर्शन करने वाले है। इसके बाद प्रियंका गांधी अपना नामांकन पत्र कलेक्टर के सामने प्रस्तुत करेंगी।

वायनाड लोकसभा सीट पर 13 नवबंरा को उपचुनाव होने हैं, और इसके नतीजे 23 नवम्बर को घोषित किए जाएंगे। यह उपचुनाव राहुल गांधी द्वारा वायनाड से इस्तीफा देने के बाद हो रहा है। लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी ने रायबरेली से सांसद बने रहने का फैसला किया था, जो गांधी परिवार की परंपरागत सीट है।

राहुल गांधी ने वायनाड से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद अब उपचुनाव हो रहे हैं। कांग्रेस ने प्रियंका गांधी वाड्रा को वायनाड से उम्मीदवार बनाया है, जबकि बीजेपी ने नाव्या हरिदास को इस सीट से अपना उम्मीदवार घोषित किया है। इसके बाद, यहां मुकाबला बेहद रोचक हो गया है।

अंडमान सागर से उठा चक्रवाती तूफान दाना 23 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी पहुंचेगा

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने कहा है कि अंडमान सागर से उठा चक्रवाती तूफान दाना 23 अक्टूबर तक बंगाल की खाड़ी पहुंच जाएगा। 24 अक्टूबर को यह ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तट से टकराएगा। मौसम विभाग ने साइक्लोन के लैंडफॉल की जानकारी नहीं दी है। अनुमान है कि यह पुरी से टकरा सकता है। तूफान का दाना नाम सऊदी अरब ने दिया है। दाना का मतलब उदारता होता है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि 23 अक्टूबर से ओडिशा-पश्चिम बंगाल के तटों पर हवा की रफ्तार 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने का अनुमान है।

भारत चीन के बीच एलएसी मुद्दे के समाधान का मार्ग प्रशस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चीन के बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर गश्त को लेकर एक अहम सहमति कायम होने के साथ ही पूर्वी लद्दाख सीमाक्षेत्र में साढ़े चार साल से चले आ रहे चले आ रहे गंभीरतम सैन्य गतिरोध के समाधान का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

रूस के कज़ान में 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पहले सोमवार विदेश सचिव विक्रम मिस्री द्वारा की गयी इस घोषणा के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय मुलाकात की संभावना जग गयी है।

विदेश सचिव के अनुसार अब दोनों पक्ष इस सहमति के अनुरूप एलएसी पर अपनी अपनी सैन्य टुकड़ियों को पीछे हटाने और वर्ष 2020 में गलवान घाटी में सैन्य टकराव के बाद उत्पन्न तनाव के मुद्दों के समाधान के लिए कदम उठाएंगे।

विदेश सचिव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी की रूस यात्रा के बारे में जानकारी देने के लिए सोमवार को बुलाये गये एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'पिछले कई सप्ताह से भारत एवं चीन के राजनयिक एवं सैन्य वार्ताकार विभिन्न मंचों (समन्वय और परामर्श पर कार्य प्रणाली (डब्ल्यूएमसीसी) और सैन्य कमांडरों की बैठक) पर एक दूसरे के साथ निकट संपर्क में रह कर बातचीत कर रहे हैं। इन चर्चाओं के परिणामस्वरूप एलएसी पर गश्त की व्यवस्था के बारे में एक सहमति बनी है। इससे 2020 में उत्पन्न मुद्दों का समाधान होगा और सैन्य टुकड़ियों को पीछे हटाया जाएगा। हम इस दिशा में अगले कदम उठाने जा रहे हैं।'

क्या संविधान से धर्मनिरपेक्ष शब्द हटेगा? क्या भारत हिंदू राष्ट्र बनेगा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्या संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द हटाये जायेंगे? यह सवाल इसलिए खड़ा हुआ है क्योंकि एक जनहित याचिका के माध्यम से उच्चतम न्यायालय से आग्रह किया गया है कि इन दोनों शब्दों को संविधान की प्रस्तावना से हटाया जाये। हम आपको बता दें कि उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के पीआईएल मैन के रूप में विख्यात अश्विनी उपाध्याय ने अपनी याचिका में कहा है कि आपातकाल के दौरान संविधान की प्रस्तावना में तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार ने जो छेड़छाड़ की थी उसे ठीक किया जाये। अश्विनी उपाध्याय का कहना है कि संविधान में संशोधन तो किया जा सकता है लेकिन उसकी प्रस्तावना से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ गैरकानूनी है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा है कि 1976 में 42वें संविधान संशोधन के जरिए प्रस्तावना में ये शब्द जोड़े गए थे। उन्होंने कहा है कि जब देश में आपातकाल लगा था और विपक्ष के सारे नेता जेल में थे तब बिना किसी चर्चा के राजनीतिक कारणों से संविधान की प्रस्तावना में यह शब्द डाले गये थे जोकि असंवैधानिक है।

हम आपको बता दें कि इस याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पहले तो यह कहा कि धर्मनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द संविधान की मूल भावना के मुताबिक ही हैं हालांकि बाद में अदालत ने कहा कि वह 18 नवंबर से शुरू हो रहे सप्ताह के दौरान इस संबंध में विस्तार से याचिकाकर्ताओं की बात सुनेगा। हम आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में तीन याचिकाएं दाखिल गयी हैं। इनमें अश्विनी उपाध्याय के अतिरिक्त बलराम सिंह और सुब्रमण्यम स्वामी शामिल हैं।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान अश्विनी उपाध्याय ने खुद तर्क प्रस्तुत किये तो वहीं बलराम सिंह की ओर से उनके वकील विष्णु जैन ने कोर्ट के समक्ष अपनी बात रखी। अश्विनी उपाध्याय ने जब यह कहा कि संविधान सभा ने चर्चा के बाद यह तय किया था कि %धर्मनिरपेक्ष% शब्द प्रस्तावना का हिस्सा नहीं होगा तो इस पर दो जजों वाली पीठ की अध्यक्षता कर रहे जस्टिस संजीव खन्ना ने सवाल उठाया कि क्या आप नहीं चाहते कि भारत धर्मनिरपेक्ष रहे? इस दौरान तीसरे याचिकाकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट को इस मामले को विस्तार से सुनना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह देखना चाहिए कि प्रस्तावना को 26 नवंबर 1949 में संविधान सभा ने स्वीकार किया था, लेकिन 1976 में उसे बदल दिया गया। उन्होंने कहा कि इस संशोधन के बाद भी संविधान की प्रस्तावना में यही लिखा है कि उसे 26 नवंबर 1949 को स्वीकार किया गया। इस बात पर जजों ने सहमति जताई कि पुरानी तारीख को बरकरार रखते हुए इस तरह नई बातें जोड़ दिए जाने के मुद्दे पर विचार करने की ज़रूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लोकतंत्र की कसौटी पर 'एक राष्ट्र, एक चुनाव'

चुनावों की बारम्बारता वास्तव में किसी राष्ट्रीय सरकार के लिए एक चुनौती है। मसलन, जहां राज्य व स्थानीय चुनावों में अधिकांशतः स्थानीय मुद्दे प्रभावी होते हैं और अक्सर इन्हें राष्ट्रीय सरकार पर एक प्रकार के जनमत संग्रह के रूप में देखा जाता है। दूसरी ओर, स्वतंत्र चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता के कारण चुनाव के दौरान शासन व्यवस्था ठप हो जाती है, ताकि कार्यकारी सरकार ऐसी नीतिगत घोषणाएं न करने पाए, जिससे कि मतदाता उनके पक्ष में मतदान करने के लिए प्रभावित हो। इसके अलावा, राष्ट्रीय नेता चुनाव वाले राज्यों में प्रचार करने में व्यस्त हो जाते हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना राजनीतिक इतिहास होता है और अक्सर, उनकी अपनी पार्टियां भी।

शशि थरूर/ कांग्रेस सांसद

भारतीय लोकतंत्र की गरिमा बचाने वाला एक अनुग्रह है- हालांकि कुछ लोगों के लिए यह भारत की सबसे अधिक परेशान करने वाली खामियों में एक होगा - कि व्यावहारिक रूप से यहां सदा कोई न कोई चुनाव चलता रहता है। इसलिए, पिछले आम चुनाव की गूंज जैसे ही खत्म हुई - जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पद पर तो बनाए रखा, लेकिन बहुमत के बिना और गठबंधन सरकार के नेतृत्व के साथ- जल्द ही हरियाणा राज्य और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान हुआ। जिसके पिछले सप्ताह घोषित परिणामों ने राजनेताओं और चुनाव विशेषज्ञों, दोनों को चौंका दिया।

हरियाणा में मोदी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अप्रत्याशित जीत हासिल की, जहां पर उसकी हार की उम्मीद बताई जा रही थी। वहीं जम्मू-कश्मीर में विपक्षी कांग्रेस पार्टी ने अपने क्षेत्रीय सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ मिलकर जीत पाई, जबकि वहां पर चुनावों में किसी भी पार्टी या गठबंधन को बहुमत न मिलने के कारण त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की गई थी। जून के लोकसभा चुनाव में भी चुनाव पंडितों के कयास गलत निकले थे - उन्होंने भाजपा की तगड़ी जीत का अनुमान लगाया था - निश्चित रूप से भारत के मतदाता का अंदाज़ा पहले से नहीं लगाया जा सकता। अपेक्षाओं को धता बताने के और अधिक मौके भारतीय मतदाताओं को शीघ्र ही मिलने जा रहे हैं। साल खत्म होने से पहले और दो राज्यों - महाराष्ट्र और झारखंड - में चुनाव होने जा रहे हैं। उनके बाद नंबर दिल्ली का होगा, जिसके संकटग्रस्त मुख्यमंत्री ने हाल ही में इस्तीफा देकर समय से पहले चुनाव कराने की मांग की है (जो वैसे भी अगले मार्च तक होने हैं)। दूसरे शब्दों में, चुनाव एक साथ होने के बजाय - भारत के 28 राज्यों और सात केंद्र शासित प्रदेशों में से हर कोई अपनी सरकारें चुनता है - भारत का यह चुनावी पंचांग अब बदलने की बात हो रही है। मोदी सरकार के लिए, यह सारी चुनाव से संबंधित अनिश्चितता बहुत दूर निकल चुकी है। वह चाहते हैं कि भारत एक निश्चित चुनावी कार्यक्रम स्थापित करे, जिसके अंतर्गत लोकसभा (संसद का निचला सदन), राज्यों की विधानसभाओं और स्थानीय निकायों, सभी के लिए हर पांच साल में एक ही तारीख को मतदान हो। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली एक उच्च-स्तरीय समिति ने हाल ही में इस दृष्टिकोण का समर्थन करते हुए एक बृहद रिपोर्ट तैयार की, जिसे पीएम मोदी ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का नाम दिया है।

चुनावों की बारम्बारता वास्तव में किसी राष्ट्रीय सरकार के लिए एक चुनौती है। मसलन, जहां राज्य व स्थानीय चुनावों में अधिकांशतः स्थानीय मुद्दे प्रभावी होते हैं और अक्सर इन्हें राष्ट्रीय सरकार पर एक प्रकार के जनमत संग्रह के रूप में देखा जाता है। दूसरी ओर, स्वतंत्र चुनाव आयोग की आदर्श आचार संहिता के कारण चुनाव के दौरान शासन व्यवस्था ठप हो जाती है, ताकि कार्यकारी सरकार ऐसी नीतिगत घोषणाएं न करने पाए, जिससे कि मतदाता उनके पक्ष में मतदान करने के लिए प्रभावित हो। इसके अलावा, राष्ट्रीय नेता चुनाव वाले राज्यों में प्रचार करने में व्यस्त हो जाते हैं, जिनमें से प्रत्येक का अपना राजनीतिक इतिहास होता है और अक्सर, उनकी अपनी पार्टियां भी। पीएम मोदी और उनके गृह मंत्री अमित शाह अपने दस वर्षीय कार्यकाल के दौरान अंतहीन चुनावी अभियान में व्यस्त रहे, जिससे कि उनके अपने आधिकारिक कर्तव्यों के लिए बहुत कम समय बचा। प्रधानमंत्री मोदी की दलील है कि बार-बार चुनाव कराने से पैसा और समय दोनों बर्बाद होते हैं। हो सकता है उन्हें यह विचार भी आया होगा कि एक साथ चुनाव करवाने पर राष्ट्रीय पार्टियों और मुद्दों का फायदा राज्य चुनावों में मिल सकता है, ताकि राष्ट्र व्यापी चुनाव प्रचार में स्थानीय नेताओं और समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की संभावना कम ही रहे। विपक्ष इस प्रस्तावित सुधार को खारिज करता है, यह इंगित करते हुए कि सभी चुनाव एक साथ करवाने पर खर्च में जो भी मामूली बचत हो पाएगी, उसके बरक्स,चुनाव अभियानों में जिस प्रकार बड़े पैमाने पर पैसा लगाए जाने से आर्थिकी को प्रोत्साहन मिलता है, उससे वंचित होने का नुकसान होगा। इससे भी महत्वपूर्ण यह है कि यह प्रस्ताव भारत के संघीय स्वरूप और विविधता को कुचलने का मंसूबा दर्शाता है, जोकि मोदी के एकात्मकवाद के प्रति लगाव को कार्यकुशलता के रूप में पेश करता है। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि यह अव्यावहारिक है, जिसको हम अपने अनुभवों से जानते हैं। स्वतंत्रता उपरांत, भारत ने एक ही तारीख पर चुनाव करवाने वाली व्यवस्था कायम की थी। लेकिन यह व्यवस्था 1952 से 1967 तक, केवल पंद्रह वर्षों तक चल पाई। इसकी वजह भारत की संसदीय प्रणाली के मूल में निहित है- सरकारों के लिए विधायी बहुमत बनाए रखना जरूरी है। यदि कोई सरकार अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले बहुमत खो देती है, तो नए चुनाव होने चाहिए। हो सकता है कोई सरकार अपना बहुमत बढ़ाने की इच्छा से समय पूर्व चुनाव करवाने के लिए कहे। यह अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग समय पर हो गुजरा है,और राष्ट्रीय स्तर पर भी अनेक बार हुआ है और आगे भी होता रहेगा, खासकर कई राज्यों में गठबंधन सरकार होने के कारण। भारतीय राज्य अपनी लय पर चलते हैं, जोकि दिल्ली में संघीय प्रणाली का ढोल बजाने वालों से बहुत अलहदा है। एक राष्ट्रीय गठबंधन सरकार, जैसी वर्तमान में मोदी के नेतृत्व वाली है, वह भी गिर सकती है। तब क्या? निश्चित ही, किसी सरकार के लिए नए सिरे से चुनावी जनादेश प्राप्त किए बिना सत्ता में बने रहना अलोकतांत्रिक होगा। 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' का विचार तभी अर्थपूर्ण हो सकता हैजब मुख्य कार्यकारी सीधे चुने जाएं ताकि उनका जनादेश विधायी बहुमत पर आधारित न हो - दूसरे शब्दों में, राष्ट्रपति प्रणाली। और, वास्तव में, भारत में राज्यों और यहां तक कि संघीय स्तर पर भी ऐसी व्यवस्था बनाने लिए विमर्श चलाया जा सकता है, लेकिन मोदी ऐसा नहीं कर रहे।

भारत के लोकतंत्रवादियों को लंबे समय से विश्वास है कि राष्ट्रपति प्रणाली तानाशाही को बढ़ावा देगी, और इसीलिए इसका विरोध किया जाना चाहिए। लेकिन संसदीय प्रणाली ने अपनी किस्म की निरंकुशता बनाई है, क्योंकि अति आत्मविश्वासी कार्यपालिका ने विधायी बहुमत को हथियार की तरह इस्तेमाल किया है। राष्ट्रपति प्रणाली में, कार्यपालिका एक स्वतंत्र विधायिका के प्रति जवाबदेह होगी,यह विधायिका को नोटिस बोर्ड और रबर की मुहर के रूप में इस्तेमाल नहीं कर सकती, जैसा कि भाजपा एक दशक से कर रही है। लेकिन यह विचार अभी केवल एक सोच भर है, और भारत की संसदीय प्रणाली के अंतर्गत, 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' किसी काम का नहीं है। हर प्रकार से,जिस आखिरी चीज की आवश्यकता भारतीय लोकतंत्र को है, वह है कुछ चुनाव होते रहना, वह एकमात्र व्यवस्था जिसके जरिए हम -भारतीय जनता- सरकार की अति महत्वाकांक्षाओं के खिलाफ अपना मत दे सकते हैं। यह 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' प्रस्ताव को मूलतः अलोकतांत्रिक बनाता है। बहरहाल, हमें आगामी महीनों में होने वाले दो या तीन राज्यों में विधानसभा चुनावों का स्वागत करना चाहिए। शायद, भारतीय मतदाता अपने 'राजनीतिक आकाओं' को फिर से कुछ और चौंकाएंगे।

साभार - प्रोजेक्ट सिंडीकेट 2024

संपादकीय

कच्ची उम्र का विवाह

यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है कि लोग परंपराओं को कानून से ऊपर समझने लगते हैं। हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? यह हम सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। इसको लेकर समाज में जागरूकता के प्रसार की जरूरत है ताकि बच्चे भी ऐसे किसी प्रयास का विरोध कर सकें। जिसमें बाल विवाह पर नियंत्रण करने वाले विभागों की जिम्मेदारी व सजगता बढ़ाने की भी जरूरत है। जिससे बाल विवाह का विरोध करने वाले किशोरों को भी संबल मिल सके। यही वजह है कि इस संबंध में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कड़ा रुख दिखाते हुए कहना पड़ा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं? एक संबंधित याचिका पर सुनवायी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। कोर्ट को कहना पड़ा कि बाल विवाह रोकथाम अधिनियम को व्यक्तिगत कानूनों के जरिये बाधित नहीं किया जा सकता। यद्यपि कोर्ट ने यह भी स्वीकार किया कि यह कानून संपूर्ण नहीं है और इससे जुड़ी कुछ कमियों को दूर करने की जरूरत है। जिसके निराकरण के लिये समन्वय का ध्यान रखने की जरूरत है। अदालत ने एक महत्वपूर्ण बात भी कही कि बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है।

गठबंधन धर्म की लाज फिर खतरे में

(लेखक - राकेश अचल)

7 करवा प्रधान महिलाओं के देश में गठबंधन की लम्बी उम्र के लिए कोई व्रत करने वाला नजर नहीं आ रहा है। केंद्र की सत्ता से भाजपा को हटाने के लिए एकजुट हुए तमाम राजनीतिक दल एक बार फिर अपनी-अपनी ढपली बजाते नजर आ रहे है। महाराष्ट्र और झारखण्ड विधानसभा के साथ ही तमाम विधानसभाओं और लोकसभा के उपचुनावों को लेकर गठबंधन की गांठें शिथिल होती दिखाई दे रहीं हैं।

झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए गठबंधन ने अपनी तमाम सीटों का न सिर्फ बँटवारा कर लिया है बल्कि उम्मीदवारों की घोषणा भी कर दी है ,जबकि आईएनडीआईए गठबंधन अभी बैठकों से ही फारिग नहीं हो पाया है। महाराष्ट्र में भी कमोवेश यही हालात हैं। सीटों के बंटवारे और प्रत्याशियों कोई घोषणा में हो रही देर इंडिया गठबंधन को भारी पड़ सकती है ,ये जानते हुए भी हर क्षेत्रीय दल कांग्रेस से सौदेबाजी करने में लगा है। हकीकत ये है कि देश में आज ऐसा कोई क्षेत्रीय दल नहीं है जो कांग्रेस को साथ लिए बिना भाजपा को चुनौती दे सके। सौदेबाजी में कांग्रेस का कम लेकिन क्षेत्रीय दलों का ज्यादा नुक्सान होने वाला है।

देश की राजनीति में अब भाजपा कोई किंवदंती नहीं बल्कि एक हकीकत है । भाजपा का एजेंडा भले ही आपको या मुझे रास न आये किन्तु ये सच है कि उसने बीते एक दशक में सत्ता में टिके रहना सीख लिया है। धीरे-धीरे ही सही लेकिन अब भाजपा की स्थिति मजबूत हुई है और सत्ता के दरबार में भाजपा ने जिस तरह से अपने आपको अंगद के पैर की तरह स्थापित किया है ,उसे कोई चुनौती नहीं दे पा रहा है। अलबत्ता आम चुनावों में सबने मिलकर भाजपा की सत्ता को हिलाने की अभिनव कोशिश की थी। गनीमत है कि बिहार विधानसभा की 4 सीटों के लिए हो रहे उपचुनाव में आईएनडीआईए गठबंधन के बीच सीटों का बँटवारा सौहार्दपूर्ण तरीके से हो गया । यहां 3 सीटें राजद और एक सीट माकपा [माले] को मिली है। कांग्रेस के लिए मप्र में कोई समस्या पहले से ही नहीं थी ,लेकिन महाराष्ट्र में सीटों का बंटवारा अभी तक अधर में है।

महाराष्ट्र में महाराष्ट्र विकास अगाडी की गाडी सीटों के बंटवारे को लेकर आगे ही नहीं बढ़ रही है । शिवसेना [ठाकरे] गुट और कांग्रेस में बात बन नहीं रही है और ऐसा लगता है कि ये गठबंधन बिखर जाएगा,लेकिन यदि ऐसा होता है तो कांग्रेस को तो कोई नुक्सान नहीं होने वाला लेकिन उद्धव ठाकरे की फजीहत हो जाएगी। शरद पंवार साहब की एनसीपी भी अकेले दम पर भाजपा को रोकने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में इन तीनों प्रमुख घटकों को हिकमत अमली से फैसला करना पडेगा। अब ये महाराष्ट्र विकास अगाडी को तय करना है की वे अपने और महाराष्ट्र के हित में झुकते हैं या नहीं ?

महाराष्ट्र जैसी ही दशा उत्तर प्रदेश विधानसभा की 10 सीटों के लिए होने वाले उपचुनावों को लेकर है । यहां कांग्रेस कम से कम 5 सीटें चाहती है और समाजवादी पार्टी शायद इसके लिए राजी नहीं है /आपको याद है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच गठबंधन के चलते ही आम चुनावों के दौरान भाजपा के अश्वमेद्ध को उत्तर प्रदेश में रोका जा सका था ,अन्यथा न सिर्फ खुद के लिए 370 सीटें हासिल करती अपितु 400 पार भी कर लेती तो कोई हैरानी न होती।

इन तमाम अटकलों के बीच इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर सरगरमी बढ़ी है. कांग्रेस के आला नेता राहुल गांधी, राजद के तेजस्वी यादव सहित राजद की पूरी टीम रांची में थी. सीट बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन में दिनभर मंथन हुआ. फिलहाल सहमति बनी है कि झामुमो के खाते में 41 से 42 सीटें जा सकती है. वहीं, कांग्रेस 28-29 सीटों पर चुनाव लड़ेगी. वहीं वाम दलों को चार सीटें मिल सकती है. माले को बगोदर, निरसा और राजधनवार या सिंदरी मिल सकता है. वहीं सीपीआइ को भी एक सीट देने की चर्चा है. गठबंधन में राजद को पांच से छह सीट देने की तैयारी है।

झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस नेताओं के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन 81 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगा। हम 81 सीट पर जेएमएम, कांग्रेस और राजद मिलकर चुनाव लड़े थे। इस गठबंधन में नये सहयोगी भी शामिल हुए. हैं। अब लेफ्ट पार्टी की भी भूमिका होगी. इस चुनाव में पहले चरण की बातें हुई हैं. 70 सीटों पर कांग्रेस और जेएमएम लड़ेंगे. बचे हुए सीट पर सहयोगी लड़ेंगे. कौन कहां से लड़ेगा, उसका फैसला बाद में होगा।

महाराष्ट्र में सपा हो या उद्धव ठाकरे की शिवसेना या एनसीपी यदि जरा भी हठधर्मी दिखाते हैं तो यहां भाजपा की जीत का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा। इंडिया गठबंधन हरियाणा विधानसभा चुनाव में गर्म दूध से जल चुका है ,इसलिए उसे अब महाराष्ट्र और झारखण्ड में छाछ भी फूंक-फूंककर पीना चाहिए। जल्दबाजी में जबान जलने का खतरा बना ही रहेगा। आज की स्थिति में विपक्ष के पाँव अपनी ताकत बढ़ाने के अलावा और कोई विकल्प नहीं है ,क्योंकि अब मोदी हटाओ का नारा तो 2029 में ही लगाया जा सकेगा। विपक्ष यदि अगले आम चुनाव तक एक न रहा तो भाजपा के लिए तमाम क्षेत्रीय दलों को समाप्त करना आसान हो जाएगा। 2029 अभी बहुत दूर है। इसलिए सभी को आज की बात करना चाहिए, सुनना चाहि।

(चिंतन-मनन)

अंदर से खूबसुरत बनिये संसार आपकी पूजा करेगा

स्मार्ट दिखने के लिए लोग क्या नहीं करते ब्यूटी पार्लर जाते हैं, महंगे प्रीम पाउडर और ब्यूटी टिप्स को आजमाते हैं। सारे उपाय करने के बावजूद बढ़ती उम्र की निशानियों को उम्र की एक सीमा तक ही छिपा सकते हैं। अंत में खूबसूरती ढ़ल जाती है और जिस सुन्दरता पर लोग नाज करते हैं वह लोगों से दगा कर जाती है। इसलिए संतों और ज्ञानियों ने कहा कि रूप के धन पर इतराना नहीं चाहिए। सबसे उत्तम धन ज्ञान है और इसकी सुन्दरता दिन ब दिन बढ़ती जाती है। इसलिए बाहरी सुन्दरता को संवारने पर समय नष्ट करने की बजाय अंदर की सुन्दरता को निखारने का प्रयास करना चाहिए। व्यवहारिक जीवन में आपने देखा होगा कि किसी की सुंदरता को देखकर आपका मन चाहता होगा कि बार-बार उसे देखें। लेकिन जब आप उस रूपवान व्यक्ति के पास पहुंचते हैं उसके व्यक्तित्व को करीब से जानते हैं तो उससे नफरत होने लगती है। इसके विपरीत किसी कुरूप व्यक्ति को जब आप जानने लगते हैं उसके अंदर के गुण को समझने लगते हैं तो उस कुरूप व्यक्ति के प्रति लगाव और स्नेह बढ़ जाता है। देवी सीता के पिता महाराजा जनक के दरबार में हुई एक घटना इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। इनके शासन काल अष्टावप्र नामक एक विद्वान थे। अपने नाम के समान अष्टावप्र का पूरा शरीर टेढ़ा मेढ़ा था। एक बार यह महाराजा जनक की सभा में पहुंचे। ऊंचे आसन पर बैठे सभासद अष्टावप्र को देखकर हंसने लगे। महाराज जनक ने देखा कि सामने से अष्टावप्र पधार रहे हैं। इन्हें देखकर ही सभासद हंस रहे हैं।

महाराज जनक अपने सिंहासन से उतरकर अष्टावप्र के पास पहुंचे। इन्हें आदर पूर्वक लाकर अपने सिंहासन पर बैठाया और सभासदों से कहा कि महात्मा अष्टावप्र के चरण धोने हेतु जल लेकर आएं। महाराज ने स्वयं अपने हाथों से अष्टावप्र की सेवा की और सभासदों से कहा कि आप सब मूर्ख हैं जो बाहरी सौन्दर्य को पहचानते हैं। असली सौन्दर्य को आपने जाना ही नहीं। असली सुन्दरता ज्ञान है जो महात्मा अष्टावप्र के पास है। यह मेरे गुरू के समान हैं। सभासदों को सिर नीचे झुक गया। अष्टावप्र ने कई काव्य लिखे हैं। इन्होंने गीता की भी रचना की है जो अष्टावप्र गीता के नाम से विख्यात है।

विचार मंथन

संविधान प्रदत्त नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सीमित कर सकती है न्यायपालिका या सरकार?

(लेखक- सनत जैन)

संविधान ने नागरिकों के मौलिक अधिकारों को संरक्षित करते हुए इसकी जिम्मेदारी न्यायपालिका के ऊपर डाली है। इसके तहत विधायिका और कार्यपालिका नागरिकों के मौलिक अधिकारों से यदि किसी किस्म की कोई छेड़छाड़ करती हैं तो उसकी समीक्षा करने और मौलिक अधिकारों को संरक्षित करने की जिम्मेदारी न्यायपालिका की होगी। संविधान ने न्यायपालिका को विशेष अधिकार भी दिए हैं। संविधान में अनुच्छेद 14 से 18 में समता का अधिकार अनुच्छेद 19 और 20 में स्वतंत्रता का अधिकार, अनुच्छेद 23 एवं 24 में शोषण के विरुद्ध अधिकार, अनुच्छेद 25 से 28 में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार एवं अनुच्छेद 29 एवं 30 में प्रत्येक नागरिक की संस्कृति और शिक्षा के संबंध में नागरिकों को समान अधिकार दिए गए थे। संविधान ने अनुच्छेद 32 के तहत न्यायपालिका को भी सर्वोच्चता का अधिकार दिया। संविधान के द्वारा प्रदत्त इन मौलिक अधिकारों को बदलने का अधिकार ना तो न्यायपालिका के पास है नाही विधायिका कानून बनाकर बदल सकती है और नाही कार्यपालिका मौलिक अधिकारों के हनन करने के लिए कोई नियम बना सकती है। लगभग 65 वर्षों तक न्यायपालिका ने इस पर विशेष ध्यान दिया। इस दौरान सरकार द्वारा समय-समय पर जो भी निर्णय लिए गए न्यायपालिका ने स्वयं संज्ञान लेकर यदि नागरिकों के मौलिक अधिकारों का कहीं हनन होते हुए दिखा तो न्यायपालिका ने तुरंत सुनवाई करते हुए कार्यवाही भी की है। न्यायपालिका कभी भी सरकार (विधायिका) अथवा कार्यपालिका के पक्ष में खड़ी हुई नहीं दिखी। न्यायपालिका ने हमेशा संवैधानिक व्यवस्था के अनुरूप मामलों की सुनवाई की। दोनों पक्षों को समानता के साथ सुनकर निष्पक्षता के साथ निर्णय दिए। यहां पिछले 10 वर्षों में न्यायपालिका का स्वरूप धीरे-धीरे बदलना शुरू हुआ। विशेष रूप से राम मंदिर विवाद पर जिस तरह से सुप्रीम कोर्ट ने विशेष अधिकार का उपयोग करते हुए आस्था के आधार पर राम मंदिर विवाद पर आदेश दिया, लगभग 30 वर्षों से राम मंदिर विवाद के कारण कानून व्यवस्था और राजनीतिक विवाद की स्थिति को देखते हुए सभी पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को स्वीकार किया। 2019 के बाद से लगातार न्यायपालिका ने जिस तरह सरकार के पक्ष में कार्य करना शुरू किया उसके कारण नागरिकों के संवैधानिक मौलिक अधिकार और न्याय व्यवस्था को लेकर लगातार विसंगतियां सामने आने लगीं। हाल ही में गोवा में एक किताब के विमोचन के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने न्यायपालिका की भूमिका को लेकर जिस तरह से अपनी बात कही, उससे ऐसा लगता है कि न्यायपालिका ने अपने आप को सरकार का संरक्षक मान लिया है। विधायिका बहुमत के आधार पर जो भी कानून बनाती है न्यायपालिका आंख मूंदकर यह मानकर चलती है कि सरकार ने जो भी काम किया है लोकतांत्रिक सरकार होने के कारण उसे इसका अधिकार है। उन्होंने यह भी कह दिया कि न्यायपालिका संसद में विपक्ष की भूमिका नहीं कर सकती है। उन्होंने कहा कि समाज समृद्ध और संपन्न होता है तो अदालत की सोच और भूमिका भी बदल जाती है। शीर्ष न्यायपालिका भविष्य को देखते हुए निर्णय करती है। पिछले वर्षों में सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में एक ही विचारधारा के न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई। सरकार के पक्ष में अधिकांश फैसले आए। सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष को न्यायपालिका से विशेष संरक्षण मिलना शुरू हुआ इससे नागरिकों के मौलिक अधिकारों का लगातार हनन हो रहा है। न्यायालय में लिफाफा बंद जानकारी सरकार द्वारा देने पर राफेल जैसे मामले में और कई ऐसे अन्य मामले हैं जो नागरिकों की स्वतंत्रता उनके मौलिक अधिकार और सरकार के भ्रष्टाचार से जुड़े होने के बाद भी न्यायपालिका ने एक तरह से सरकार की खुलेआम मदद की है। दिल्ली सरकार को लेकर जो भी फैसले आए उसमें निर्वाचित सरकार के स्थान पर उप राज्यपाल को चुनी हुई सरकार के मुख्यमंत्री के ऊपर बिठा दिया गया। महाराष्ट्र में असंवैधानिक ढंग से सरकार गिराई गई असंवैधानिक सरकार बनी उसने ढाई साल का कार्यकाल भी पूरा कर लिया लेकिन आज भी इस मामले में कोई फैसला नहीं हुआ। भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामले का अंतर खत्म हो गया। सरकार ने जिसे चाहा उसे ईड़ी के माध्यम से जेल में बंद किया या ईड़ी के दबाव में दल-बदल कराकर सरकार गिराई और बनाई। जमानत के मामलों में महीनो सुनवाई नहीं की गई। धारा 370 जैसे मामले में कई वर्षों तक याचिका लंबित रखी गई। ऐसे सैकड़ों मामले देखने में आए, जिसमें न्यायपालिका की भूमिका सरकार को कवच देने की तरह थी, जिस तरह से पिछले 5 वर्षों में धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर चुनाव जीतने का खुलेआम प्रयास किया जा रहा है। चुनाव आयोग को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को न मानते हुए सरकार ने एक कानून बनाकर मनमाने तरीके से चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की चुनाव आचार संहिता का पालन चुनाव आयोग सरकार से नहीं करा पा रहा है। प्रधानमंत्री को नोटिस देने की शक्ति भी चुनाव आयोग के पास नहीं है। संवैधानिक संस्थाएं जिन्हें स्वतंत्र रूप से काम करना होता है, जिनकी जिम्मेदारी तय है वह भी सरकार की गोद में बैठ गई हैं।

रेलवे के हर साल गुटखे के दाग साफ करने पर होते हैं 1200 करोड़ खर्च

अब स्टेशन परिसर में लगेंगे कियोस्क, जिसमें थूकने के लिए स्पिटून पाउच उपलब्ध होंगे

नई दिल्ली । स्वच्छ भारत अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार के बावजूद कुछ लोगों में सार्वजनिक स्थानों पर थूकने की आदत में बदलाव लाना कठिन साबित हो रहा है। लोग शायद यह नहीं समझते कि इससे कितना नुकसान होता है। एक अनुमान के मुताबिक भारतीय रेलवे हर साल पान-गुटखा के दाग साफ करने के लिए करीब 12,000 करोड़ रुपए खर्च करता है। अब रेलवे इससे निपटने के लिए नया प्लान लेकर आई है, जिससे खर्च में कमी आएगी। हालांकि, रेलवे इस समस्या से निपटने के लिए एक नया समाधान लेकर आया है। योजना के तहत स्टेशन परिसर में स्पिटर कियोस्क लगाए जाएंगे, जिन्हें आम जनता उपयोग कर सकेगी। रेलवे देश भर के 42 स्टेशनों में ऐसे कियोस्क लगाने जा रहा है। इन कियोस्क में थूकने के लिए स्पिटून पाउच उपलब्ध होंगे, जिनकी कीमत 5 से 10 रुपए के बीच होगी। रेलवे को उम्मीद है कि लोग इन स्पिटून का उपयोग करेंगे, जिससे दाग साफ करने के खर्च में कमी आएगी।

अमेरिकी कंपनी बिसेल ने छह साल बाद भारतीय बाजार में प्रवेश किया

- कंपनी ने कहा, भारत भविष्य में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार होगा

नई दिल्ली । मिशिगन, अमेरिका के घरेलू समाधान प्रदाता बिसेल ने छह साल के बाद अपने वैक्यूम क्लीनर्स की श्रंखला के साथ भारत में फिर से प्रवेश किया है। कंपनी ने उम्मीद जताई है कि यह देश 'भविष्य में एक बहुत महत्वपूर्ण बाजार' होगा। बिसेल के अध्यक्ष (वैश्विक बाजार) मैक्स बिसेल ने बताया, हालांकि भारत वैश्विक स्तर पर फर्श की देखभाल वाले उत्पादों के लिए अपेक्षाकृत छोटा बाजार है, लेकिन इसकी जनसांख्यिकी और बढ़ती अर्थव्यवस्था को देखते हुए यह भविष्य के लिए एक निवेश है। उन्होंने कहा, हमारा मानना है कि भारत भविष्य में एक बहुत ही महत्वपूर्ण बाजार होगा। अगर हम सिर्फ जनसंख्या और हमारे सामने मौजूद अवसरों को देखें, तो यह भविष्य के लिए एक निवेश है। बिसेल ने भारत में वितरण के लिए कैविटक ग्लोबल कॉमर्स के साथ साझेदारी की है और वह अपने अस्थायी गीले और सूखे वैक्यूम क्लीनिंग सिस्टम जैसे 'स्पॉटक्लीन हाइड्रोस्टीम' और 'स्पॉटक्लीन प्रोहीट' को पेश करने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जो पहले से ही ई-कॉमर्स मंच अमेज़न पर उपलब्ध हैं। बिसेल ने कहा कि यह अगली पीढ़ी के लिए एक निवेश है, जहां हम यह जानते हुए बाजार में प्रवेश कर सकते हैं कि यह बहुत बड़ा नहीं होने वाला है, लेकिन यह वास्तव में ऐसे बीज बोएगा जो भविष्य के लिए पेड़ के रूप में विकसित होंगे।

84.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ रुपया

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिकी मुद्रा में नरमी के बीच रुपया सोमवार को डॉलर के मुकाबले 84.08 पर बदं हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से रुपये पर दबाव पड़ा । अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.06 प्रति डॉलर पर खुला, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की बढ़त दिखाता है।

टाटा ग्रुप के 3 शेयरों ने दिया ऐतिहासिक रिटर्न

- पांच गुना तक किया पैसा, रतन टाटा की लीडरशिप में खूब बढ़े इनके दाम

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप का इतिहास लगभग सवा 100 साल पुराना है। जमशेदजी टाटा ने इस विशाल व्यापारिक साम्राज्य की नींव रखी और हर दशक में अगली पीढ़ियों ने इस बिजनेस समूह को आगे बढ़ाया। रतन टाटा की अगुवाई में टाटा ग्रुप की कंपनियों ने जोरदार तरक्की की। खास बात है कि इसका फायदा ना सिर्फ टाटा ग्रुप को बल्कि टाटा के शेयरों में निवेश करने वाले लोगों को भी मिला। टाटा ग्रुप की तीन कंपनियों ने टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और टाइटन ने निवेशकों को पिछले कुछ सालों में जोरदार रिटर्न दिया है। टाटा ग्रुप के इन 3 शेयरों ने महज 5 साल में निवेशकों का पैसा पांच गुना तक कर दिया है। जैसे टाटा मोटर्स के शेयर 5 साल पहले अक्टूबर 2019 में 137 रुपये पर ट्रेड कर रहे थे लेकिन, आज इनकी कीमत 900 रुपये प्रति शेयर है। इस अवधि में टाटा मोटर्स के शेयरों ने 550 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया। टाइटन के शेयरों ने 5 साल की अवधि में 164 फीसदी का रिटर्न दिया है। अक्टूबर 2019 में कंपनी के शेयर 1300 रुपये के भाव पर थे और आज प्रति शेयर की कीमत 3430 रुपये से ज्यादा है। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील ने 5 सालों में निवेशकों का पैसा तीन गुना से ज्यादा कर दिया है। अक्टूबर 2019 में इस कंपनी के शेयर 36 रुपये के भाव पर मिल रहे थे और अब इनकी कीमत 153 रुपये है। इस अवधि में टाटा स्टील के शेयरों ने 325 फीसदी से ज्यादा का रिटर्न दिया है।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने अहमदाबाद में तीन एकड़ जमीन का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) ने आवास परियोजना विकसित करने के लिए अहमदाबाद के वस्त्रपुर में करीब तीन एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया है। इसका अनुमानित बिक्री मूल्य 1,300 करोड़ रुपये है। कंपनी ने सौदे की कीमत और विक्रेता का नाम उजागर नहीं किया। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड ने शेयर बाजार को बताया कि इस भूमि पर करीब नौ लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र विकसित किए जाने की संभावना है। इसमें मुख्य रूप से प्रीमियम आवासीय अपार्टमेंट शामिल हैं, जिनकी अनुमानित बुकिंग कीमत करीब 1,300 करोड़ रुपये है।' गोदरेज प्रॉपर्टीज के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा` कि हम अहमदाबाद में अपनी दूसरी परियोजना से खुश हैं। इससे अहमदाबाद में हमारी मौजूदगी और मजबूत होगी इस महीने की शुरुआत में गोदरेज प्रॉपर्टीज ने 3,500 करोड़ रुपये की राजस्व क्षमता वाली एक आवासीय परियोजना विकसित करने के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में कुल 6.5 एकड़ के तीन समीपवर्ती भूखंडों के अधिग्रहण की बोलियां भी जीती थीं।

वारी एनर्जीज आईपीओ के जरिए 4,321 करोड़ रुपए जुटाएगी

- वारी एनर्जीज के एक शेयर का प्राइस बैंड 1,427 रुपए से 1503 रुपए तय किया गया

नई दिल्ली । सोमवार को शेयर बाजार में वारी एनर्जीज लिमिटेड का आईपीओ का प्रदर्शन जोरदार रहा है। यह सौलर पैनल या सोलर मॉड्यूल बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी है। इसमें निवेशक 23 अक्टूबर तक निवेश कर सकेंगे। कंपनी की योजना आईपीओ के जरिये 4,321 करोड़ रुपए जुटाने की है। कंपनी का आईपीओ ग्रे मार्केट में शानदार प्रदर्शन कर रहा है। मुंबई की कंपनी वारी इस आईपीओ में 3,600 करोड़ रुपए के 2.39 करोड़ फ्रेश शेयर जारी करेगी। इसी के साथ कंपनी के प्रोमोटर्स और शेयरधारक 48 लाख शेयरों का ऑफर फोर सेल या ओएफएस लेकर आ रहे हैं। ओएफएस के जरिये 721.44 करोड़ रुपए जुटाने की कोशिश है। इस आईपीओ में बड़े (एंकर) निवेशक ने 18 अक्टूबर को ही बोली लगा ली है। सोमवार से इसमें रिटेल समेत अन्य श्रेणी के निवेशक बोली लगाएंगे। वारी एनर्जीज के एक शेयर का प्राइस बैंड 1,427 रुपए से 1503 रुपए तय किया गया है। इसके लिए मिनिमम लॉट साइज 9 शेयरों का तय किया गया है। यानी कि रिटेल इनवेस्टर्स को कम से कम 13,527 रुपए का निवेश करना होगा। इस आईपीओ में 50 फीसदी शेयर क्वालिफाइड इंस्टीटयूशनल बॉयर्स यानी क्यूआईबी निवेशकों के लिए आरक्षित है। इसका 15 फीसदी हिस्सा नॉन-इंस्टीटयूशनल इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व है जबकि 35 फीसदी हिस्सा रिटले इनवेस्टर्स के लिए रिजर्व है। 1990 में स्थापित वारी एनर्जीज इस आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग ओडिशा में 6 गीगावाट की इंगट वेफर, सोलर सेल और सोलर पीवी मॉड्यूल विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए करेगी। इसके अलावा एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए रखा जाएगा।

विदेशी निवेशकों ने निकलें पैसे.........हरे से लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बड़े उछाल के साथ खुलने के बावजूद लाल निशान में बंद हुआ। इसके पहले शुक्रवार को शेयर बाजार तीन दिन की गिरावट के बाद हरे निशान पर बंद हुआ था। भारतीय शेयर बाजार में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में भारी गिरावट और विदेशी निवेशकों के लगातार देशी बाजारों से पैसा निकालने के चलते गिरावट आई। 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सोमवार को 73.48 अंक की गिरावट के साथ 81,151.27 पर बंद हुआ। शुरुआत में सेंसेक्स 545 अंक तक चढ़ गया था।

हालांकि, कारोबार के अंत में बिकवाली के दबाव में आकर सेंसेक्स 80,811.23 के निचले स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 भी 72.95 अंक की गिरावट के साथ 24,781.10 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में सोमवार को कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर सबसे ज्यादा 4 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट लेकर बंद हुआ। कंपनी की तिमाही आय नतीजे निवेशकों की उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे। इसकारण बैंक के शेयर में बड़ी गिरावट देखी गई। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, अदानी पोर्ट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंफोसिस, भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर और जेएसडब्ल्यू स्टील भी गिरावट में बंद हुए। वहीं एचडीएफ़सी बैंक के सितम्बर तिमाही के नतीजे शानदार रहे जिसका असर कंपनी के शेयरों में देखने को मिला है। जुलाई-सितंबर तिमाही में एचडीएफ़सी बैंक का स्टैंडअलोन नेट प्रॉफिट 6 प्रतिशत बढ़कर 17,825.91 करोड़ रुपये रहा। एचडीएफसी बैंक का शेयर सोमवार को लगभग 3 प्रतिशत चढ़ गया। साथ ही एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईआई), मारुति और टेक महिंद्रा के शेयर भी प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी

एक्सचेंज डेटा के मुताबिक, विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला जारी है। विदेशी संस्थागत निवेशकों (स्न्ढ्ढह्य) ने शुक्रवार को 5,485.70 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 5,214.83 करोड़ रुपये की इक्विटी खरीदी।

दिवाली से पहले पेट्रोल-डीजल के बढ़े भाव

- नए भाव के अनुसार महाराष्ट्र में पेट्रोल 46 और डीजल 37 पैसे महंगा हुआ

नई दिल्ली ।

हाल ही में सामने आए रिपोर्ट में दावा किया गया था कि आगामी दिनों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में गिरावट आ सकती है। इस रिपोर्ट के बाद जनता की उम्मीद और बढ़ गई है। वहीं पेट्रोलियम कंपनियों की ओर से 21 अक्टूबर 2024 को ईंधन का नया भाव जारी कर दिया गया है। पेट्रोल कंपनियों की ओर से जारी किए गए भाव के अनुसार सरकार ने महाराष्ट्र चुनाव से पहले आम जनता को एक बार फिर झटका दिया है। नए भाव के अनुसार महाराष्ट्र में पेट्रोल 46 और डीजल 37 पैसे महंगा हो गया है। महंगा होने के बाद अब यहां एक लीटर पेट्रोल के लिए 104.83 और डीजल के लिए 93.5 रुपए देना होगा। वहीं दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपए और डीजल की कीमत 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपए और डीजल की कीमत 89.97 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपए और डीजल की कीमत 91.76 रुपए प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपए और डीजल की कीमत 92.34 रुपए प्रति लीटर है। वहीं देश के अन्य अन्य प्रमुख शहरों में पेट्रोल-डीजल का भाव इस प्रकार हैं। नोएडा में0 पेट्रोल 94.83 रुपए प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपए प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपए प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपए प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपए प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपए प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपए प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपए प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपए प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपए प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपए प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.18 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपए प्रति लीटर है। महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 46 पैसे बढ़कर 104.83 रुपए प्रति लीटर और डीजल 37 पैसे बढ़कर 93.05 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 33 पैसे बढ़कर 94.70 रुपए प्रति लीटर और डीजल 38 पैसे बढ़कर 87.79 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

उड़ान के तहत 601 मार्ग, 71 हवाई अड्डे शुरू हुएः नागर विमानन मंत्रालय

- 1.44 करोड़ से अधिक यात्रियों को लाभ हुआ

नई दिल्ली । नागर विमानन मंत्रालय ने कहा कि आठ साल पहले शुरू की गई क्षेत्रीय हवाई संपर्क योजना उड़ान के तहत 601 मार्ग और 71 हवाई अड्डे चालू हो गए हैं। उड़ान का उद्देश्य क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ाना और हवाई यात्रा को अधिक किफायती बनाना है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि हेलीकॉप्टर मार्गों सहित 601 मार्गों को चालू कर दिया गया है और इनमें से लगभग 28 प्रतिशत मार्ग सबसे दूरदराज के स्थानों के लिए सेवा देते हैं। बयान के मुताबिक कुल 86 एयरोड्रोम - जिसमें 71 हवाई अड्डे, 13 हेलीपोर्ट और दो जल एयरोड्रोम शामिल हैं - चालू हो गए हैं। इससे 2.8 लाख से अधिक उड़ानों के जरिये 1.44 करोड़ से अधिक यात्रियों को लाभ हुआ। इस बीच देश में चालू हवाई अड्डों की संख्या 2014 में 74 से दोगुनी होकर 2024 में 157 हो गई है। सरकार का लक्ष्य 2047 तक इनकी संख्या को बढ़ाकर 350-400 तक करना है।

अगस्त में नई औपचारिक नियुक्तियां चार महीने के निचले स्तर पर

- अगस्त में नए मासिक सब्सक्राइबर्स करीब 11 फीसदी घटकर 9.30 लाख रह गए

नई दिल्ली ।

अगस्त महीने में फॉर्मल हायरिंग में गिरावट दर्ज की गई है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की तरफ से जारी ताजा पेरोल डेटा के मुताबिक फॉर्मल लेबर मार्केट में मंदी के संकेत मिले हैं। अगस्त में नए मासिक सब्सक्राइबर्स (नए सदस्य) की संख्या करीब 11 फीसदी घटकर 9.30 लाख रह गई, जो जुलाई में 10.5 लाख थी। यह संख्या चार महीनों के निचले स्तर पर है। ईपीएफओ डेटा को अहम माना जाता है क्योंकि केवल फॉर्मल वर्कफोर्स को सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलते हैं और वे श्रम कानूनों द्वारा संरक्षित होते हैं। अगस्त में 9.30 लाख नए ईपीएफ सब्सक्राइबर्स में 18-25 आयु वर्ग के युवाओं की हिस्सेदारी मामूली रूप से घटकर 59.26 फीसदी (5.51 लाख) हो गई, जो जुलाई में 59.4 फीसदी (6.25 लाख) थी। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के सब्सक्राइबर्स आमतौर पर पहली बार लेबर मार्केट में प्रवेश करते हैं, जो बाजार की स्थिति का संकेत देते हैं। इसके अलावा, नई महिला सब्सक्राइबर्स की हिस्सेदारी भी घटकर 27.2 फीसदी (2.53 लाख) हो गई, जो पिछले महीने 29 फीसदी (3.05 लाख) थी। यह कार्यबल में महिला भागीदारी की गिरावट को दर्शाता है। वहीं अगस्त में नेट पेरोल ऐडिशन 18.5 लाख रही। हालांकि ये नेट पेरोल आंकड़े प्रारंभिक होते हैं और अगले महीने में आमतौर पर संशोधित किए जाते हैं, इसलिए नए ईपीएफ सब्सक्राइबर्स की संख्या को अधिक विश्वसनीय माना जाता है।

एनएसई और बीएसई 1 नवंबर को स्पेशल मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन आयोजित करेंगे

- ट्रेडिंग सेशन शुक्रवार 1 नवंबर को शाम 6 बजे से 7 बजे के बीच होगा

मुंबई । हर साल की तरह इस साल भी पूरा देश दिवाली के अवसर पर स्टॉक मार्केट में होने वाली मुहूर्त ट्रेडिंग का इंतजार कर रहा है। इसकी तारीख और टाइमिंग को लेकर कंफ्यूजन दूर हो गया है। दरअसल, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने दिवाली के शुभ अवसर पर आयोजित विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन के टाइमिंग की घोषणा की है। एनएसई और बीएसई 1 नवंबर को एक घंटे का स्पेशल मुहूर्त ट्रेडिंग सेशन आयोजित करेंगे। स्टॉक एक्सचेंजों ने अलग-अलग सर्कुलर में यह ऐलान किया है। सर्कुलर में कहा गया है कि ट्रेडिंग सेशन शुक्रवार 1 नवंबर 2024 को शाम 6 बजे से 7 बजे के बीच आयोजित की जाएगी। दिवाली पर शेयर बाजार रेगुलर ट्रेडिंग के लिए बंद रहेगा, लेकिन शाम को एक घंटे के लिए स्पेशल ट्रेडिंग विंडो खुली रहेगी। एक्सचेंजों ने घोषणा की कि प्री-ओपनिंग सेशन शाम 5ः45 बजे से शाम 6ः00 बजे तक होगा। बता दें कि मुहूर्त ट्रेडिंग एक पारंपरिक प्रतीकात्मक ट्रेड होता है। यह एक शुभ दिन होता है और इस दिन निवेशक सौभाग्यशाली वर्ष की कामना के साथ कुछ देर की ट्रेडिंग करते हैं। पिछले साल 12 नवंबर को निफ्टी और सेंसेक्स ने विशेष दिवाली मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र में अच्छी बढ़त देखी थी। शाम 6ः15 बजे से शाम 7ः15 बजे तक मुहूर्त ट्रेडिंग के लिए ओपन हुआ था। सेंसेक्स 354.77 अंक की तेजी के साथ 65,259.45 के स्तर पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 100.20 अंक की तेजी रही, ये 19,525.55 के स्तर पर बंद हुआ था।

सियांग घाटी में विशालकाय बांध बना रहा भारत, काम तेजी से शुरू

- बांध की क्षमता 10-12 गीगावॉट (जीडब्ल्यू) पनबिजली की होगी

नई दिल्ली ।

अरुणाचल प्रदेश से लगा हुए चीन के इलाके में चीन की बड़ी जल पे रियोजना को देखते हुए केंद्र ने ऊपरी सियांग घाटी में विशालकाय बांध बनाने के काम को तेजी से शुरू कर` दिया है। यह देश का सबसे बड़ा बांध होगा। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने हाल में सियांग ऊपरी घाटी बांध की शुरुआती परियोजना प्रबंधन के उद्देश्य से वित्तीय मदद देने की घोषणा की थी। इस प्रस्तावित परियोजना के तीन एजेंडे हैं - बाढ़ प्रबंधन, जल प्रवाह को दुरुस्त करना और बिजली पैदा करना। सरकार की पनबिजली की प्रमुख कंपनी एनएचपीसी को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) और परियोजना व्यवहार्यता रिपोर्ट (एफपीआर) विकसित करने की जिम्मेदारी दी गई है। अधिकारियों के अनुसार इस बांध की क्षमता 10-12 गीगावॉट (जीडब्ल्यू) पनबिजली की होगी और यह भारत का सबसे बड़ी पनबिजली परियोजना होगी। इस परियोजना की लागत 1 लाख करोड़ रुपये होगी। एनएचपीसी के अधिकारियों ने बताया कि इस बारे में विभिन्न सरकारी मंत्रालयों जैसे ऊर्जा, जल शक्ति और अरुणाचल प्रदेश से विचार-विमर्श हुआ था। हाल में केंद्र के राशि जारी करने से इस परियोजना को गति मिली है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस साल अगस्त में पूर्वोत्तर के राज्यों में 15 जीडब्ल्यू की पनबिजली परियोजना के लिए 4,136 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। मंत्रिमंडल ने बीते महीने आगामी जल परियोजनाओं के लिए 'सक्षम बुनियादी ढांचा' और पंप्ड स्टोरेज परियोजना (पीएसपी) के लिए 12,461 करोड़ रुपये मंजूर किए थे। अधिकारियों ने संकेत दिया कि इन दो निगमों से कोष सियांग घाटी परियोजना के पीएफआर के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे और स्थानीय लोगों को जागरूक किया जाएगा। एनएचपीसी के प्रवक्ता को ईमेल प्रश्नावली भेजी गई थी लेकिन खबर लिखे जाने तक उसका जवाब नहीं मिला था। चीन जनवादी गणराज्य ने 2021 में यारलुंग त्सांगपो में 60 गीगावॉट की मोटोंग जल परियोजना स्टेशन को मंजूरी दी थी और यह क्षेत्र तिब्बत के स्वायत्त क्षेत्र (टीएआर) में आता है। यारलुंग नदी भारत में ब्रह्मपुत्र (अरुणाचल के सियांग) में आकर मिलती है। एनएचपीसी और राज्य सरकार के शुरुआती अध्ययन के मुताबिक चीन की इस परियोजना के कारण भारत में जल का प्रवाह 80 प्रतिशत तक घट सकता है।

अल्ट्राटेक सीमेंट के दूसरी तिमाही में 25 नतीजों में 36 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई ।

भारत की सबसे बड़ी सीमेंट निर्माता कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट ने सितंबर 2024 में समाप्त तिमाही में अपने शुद्ध लाभ में 36 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है। इसका कारण ऑपरेशन से कम राजस्व बताया जा रहा है। इस अवधि में कंपनी का शुद्ध लाभ 820 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की तुलना में 36 प्रतिशत कम है। कंपनी की आय में भी गिरावट आई है, क्योंकि राजस्व 2.4 प्रतिशत घटकर 15,634.73 करोड़ रुपये हो गया। 16 जानकारों ने अल्ट्राटेक के राजस्व का अनुमान 15,711 करोड़ और 18 जानकारों ने नेट प्रॉफिट का अनुमान 1,032 करोड़ रुपये लगाया था। कंपनी ने राजस्व के मामले में अपेक्षाएं पूरी की, लेकिन लाभ में कमी आई।

तिमाही आधार पर शुद्ध लाभ 52 प्रतिशत और 13 प्रतिशत राजस्व गिरा। कंपनी ने कहा कि ब्याज, मूल्यह्रास और कर से पहले का लाभ (पीबीडीआईटी) 2,239 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले के 2,718 करोड़ रुपये से कम है। कैपासिटी और बिक्री- सितंबर तिमाही के दौरान कंपनी की कैपासिटी में 68 प्रतिशत का उपयोग हो सका, जबकि घरेलू बिक्री में 3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि देशभर में लगातार बारिश के बावजूद हुई है। कंपनी ने ऊर्जा लागत में एक साल पहले की तुलना में 14 प्रतिशत की गिरावट देखी, जबकि कच्चे माल की लागत में फ्लाई ऐश और स्लैग की बढ़ी हुई कीमतों के कारण 1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

महिला टी20 विश्व कप जीतकर मालामाल हुई न्यूजीलैंड टीम, खिलाड़ियों में बांटे जाएंगे 2.3 मिलियन डॉलर

वेलिंगटन (एजेंसी)। महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 32 रन से हराने वाली न्यूजीलैंड 'व्हाइट फर्न्स' क्रिकेट टीम को पुरस्कार राशि में मिली 2.3 मिलियन डॉलर (लगभग 19.33 करोड़ रुपए) को खिलाड़ियों के बीच बांटा जाएगा। इससे टीम के प्रत्येक सदस्य के हिस्से में लगभग 155,000 डॉलर (1.31 करोड़ रुपए) आएंगे।

पिछले कई वर्षों से पुरुष खिलाड़ियों की तरह वित्तीय समानता हासिल करने के लिए वर्षों तक संघर्ष कर रही महिला टीम के सदस्यों के लिए यह बड़ी रकम है। क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप के विश्व कप में न्यूजीलैंड की पहली जीत अप्रत्याशित है। टूर्नामेंट के अभ्यास मैच में दक्षिण अफ्रीका को हराने से पहले 'व्हाइट फर्न्स' ने लगातार 10 टी20 मैच गंवाए थे। न्यूजीलैंड ने अपने अभियान के दौरान लीग चरण में भारत, श्रीलंका और पाकिस्तान को हराया जबकि उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा।

टीम ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज को शिकस्त दी। दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल में छह बार की चैम्पियन और खिताब के दावेदार ऑस्ट्रेलिया को हराया था लेकिन फाइनल में यह टीम दबाव में एक बार फिर बिखर गई। न्यूजीलैंड ने फाइनल में पांच विकेट पर 158 रन बनाने के बाद दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट पर 126 रन पर रोक दिया। न्यूजीलैंड के लिए अमेलिया केर ने 38 गेंदों पर 43 रन बनाए और फिर 24 रन देकर तीन विकेट लिए। उन्होंने ब्रूक हैलिडे (38) के साथ चौथे विकेट के लिए 44 गेंद में 57 रन की साझेदारी कर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया।

कप्तान सूजी बेट्स ने भी 32 रन का योगदान दिया। फाइनल में 25 रन पर तीन विकेट लेने वाली न्यूजीलैंड की गेंदबाज रोजमेरी मायेर ने कहा, 'इमानदारी से कहूं तो यह अविश्वसनीय है।' उन्होंने कहा, 'हम बस एक-दूसरे की बहुत परवाह करते हैं। पिछले 18 महीनों में हम कई कठिनाइयों से गुजरे हैं और हम एक-दूसरे के साथ बने रहे और एक-दूसरे के लिए कड़ी मेहनत करते रहे।'

कप्तान के तौर पर सोफी डिवाइन का यह न्यूजीलैंड के लिए आखिरी मैच था। उन्होंने बेट्स के साथ 2009 से अब तक आयोजित सभी नौ टी20 विश्व कप में खेले हैं। न्यूजीलैंड 2009 और 2010 में पहले दो टूर्नामेंटों के फाइनल में पहुंचा था। दोनों मौकों पर उसे ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

बेट्स ने कहा, ''हमारे लिये यह सब कुछ है। जब आप टीम मैच खेलते हैं, तो आप विश्व चैंपियन बनना चाहते हैं।' उन्होंने कहा, 'हमने शीर्ष पर वापसी के लिए संघर्ष किया है। वह (डिवाइन) इस टीम का बहुत शानदार तरीके से नेतृत्व कर रही हैं। वह बहुत शांत स्वभाव की है और सभी खिलाड़ियों पर भरोसा करती है। हम शायद बाद में और भी लंबे समय तक गले मिलेंगे क्योंकि हमने एक साथ कुछ बुरे समय भी देखे हैं और यह बात सिर्फ हमारे ड्रेसिंग रूम के लोग ही समझ सकते हैं।'

केएल राहुल बनाम सरफराज खान, रोहित शर्मा ने कहा- 'यह बहुत सरल है'

बेंगलुरु (एजेंसी)। पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने संकेत दिया कि वे पुणे में गुरुवार 24 अक्टूबर से शुरू होने वाले दूसरे मैच के लिए बदलाव कर सकते हैं। पहले टेस्ट में 46 रन पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में रोहित और उनकी टीम के बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद न्यूजीलैंड ने 1988 के बाद से भारत में अपनी पहली टेस्ट जीत दर्ज की। 107 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जसप्रीत बुमराह (2/29) ने भारत के लिए प्रदर्शन किया लेकिन विल यंग (48*) और रचिन रवींद्र (39*) ने मेहमान टीम को सीरीज में 1-0 की बढ़त दिला दी।

गर्दन में अकड़न के कारण सीरीज के पहले मैच के लिए शुभमन गिल को बाहर करना पड़ा। उनकी जगह लेने वाले सरफराज अहमद पहली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद दूसरी पारी में 150 रन बनाकर लौटे। बेंगलुरू में हार के बाद रोहित ने पुष्टि की कि गिल पहले टेस्ट से चूकने के बाद 'ठीक' हैं। उन्होंने संकेत दिया कि युवा बल्लेबाज दूसरे टेस्ट के लिए प्लेइंग 11 में वापस आ सकते हैं। उस स्थिति में भारत सरफराज या अनुभवी केएल राहुल में से किसी एक को बाहर कर सकता है, जो एक बार फिर नंबर 6 स्थान पर अपना स्थान बनाने में विफल रहे। केएल राहुल बनाम सरफराज खान बहस के बीच रोहित ने राहुल, गिल और सरफराज से जुड़ी स्थिति को संबोधित किया। भारतीय कप्तान ने जोर देकर कहा कि टीम में हर कोई जानता है कि वे अपने करियर में कहां खड़े हैं और उन्हें क्या करने की जरूरत है। भारतीय कप्तान ने कहा, 'देखिए, मैं ऐसा व्यक्ति नहीं हूं जो हर मैच के बाद लोगों से बात करता हो। उन्हें पता है कि वे अपने खेल में कहां खड़े हैं, अपने करियर में कहां खड़े हैं। हम एक मैच, एक सीरीज के आधार पर अपनी मानसिकता नहीं बदलते। संदेश काफी पहले ही दिए जाते हैं और उन्हें पता होता है कि वे कहां खड़े हैं और टीम की स्थिति क्या है। मुझे नहीं लगता कि मैं उनसे जो बात कर रहा हूं, उससे अलग कुछ बात करने जा रहा हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह बहुत सरल है, जिस किसी को भी अवसर मिलता है, उसे खेल पर प्रभाव डालने की कोशिश करनी चाहिए। यह एक सरल संदेश है जिसके बारे में हम बात करते रहते हैं और इस तरह के खिलाड़ियों का खेल खेलने के लिए इंतजार करना हमेशा अच्छा होता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि शुभमन इस खेल से चूक गए, सरफराज को अवसर मिला और उन्होंने बड़ा शतक बनाया। यह टीम के लिए एक अच्छा संकेत है।'

वर्षा बाधित मैच में श्रीलंका ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया

पल्लेकेले (एजेंसी)। श्रीलंका ने वर्षा बाधित एकदिवसीय मुकाबले में वेंस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। रविवार देर रात खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। उसने आठवें ओवर में ब्रैंडन किंग (14) का विकेट गवां दिया।

वेस्टइंडीज ने 25 ओवर में 100 रन स्कोर तक अपने चार विकेट गवां दिए थे। केसी कार्टी (37), ऐलेक ऐथनेज (10) और शो होप (पांच) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद शरफेन रदरफोर्ड और रॉस्टन चेज ने धीकी गति से रन बनाए और विकेट नहीं गिरने दिया। शरफेन रदरफोर्ड ने (नाबाद 77) और रॉस्टन चेज ने (नाबाद 33) रन बनाए। बारिश के कारण ओवरों की संख्या घटा दी गई। वेस्टइंडीज ने 38.3 ओवर में चार विकेट पर 185 रन बनाए। श्रीलंका की ओर से वानिंदु हसरंगा ने दो विकेट लिए।

दीपिका ने तीरंदाजी विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता, धीरज हारे

टिलेक्सकला (मैक्सिको) (एजेंसी)। भारत की शीर्ष रिकर्व तीरंदाज दीपिका कुमारी ने विश्व कप फाइनल में पांचवां रजत पदक जीता। वह फाइनल में चीन की लि जियामैन से 0.6 से हार गई। दिसंबर 2022 में अपनी बेटी के जन्म के बाद विश्व कप फाइनल में लौटी चार बार की ओलंपियन दीपिका को आठ तीरंदाजों में तीसरी वरीयता मिली थी। सेमीफाइनल तक दीपिका को कोई दिक्कत नहीं हुई लेकिन स्वर्ण पदक के मुकाबले में वह पेरिस ओलंपिक में टीम स्पर्धा का रजत पदक जीतने वाली जियामैन से हार गई। दीपिका नौवीं बार विश्व कप फाइनल खेल रही थी। भारत के लिए विश्व कप फाइनल में सिर्फ डोला बनर्जी ने स्वर्ण पदक जीता था जब दुबई में 2007 में वह अव्वल रही थी। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मादेवरा 4.2 से आगे रहने के बावजूद पहले दौर में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता दक्षिण कोरिया के ली वू सियोक से हार गए। पांच सदस्यीय भारतीय दल में तीन कंपाउंड और दो रिकर्व तीरंदाज थे। भारत की झोली में सिर्फ एक पदक गिरा। सेमीफाइनल में मैक्सिको की अलेजांद्रा वालेंशिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली दीपिका उस लय को कायम नहीं रख सकी। पहला सेट उसने एक अंक से (26 . 27) गंवाया। दूसरे सेट में वापसी की लेकिन ली ने 30.28 से जीता। तीसरे सेट में ली ने 27.25 से जीत दर्ज की। पुरूषों के रिकर्व वर्ग में धीरज अकेले भारतीय चुनौती पेश कर रहे थे। उन्हें 4-6 (28-28, 29-26, 28-28, 26-30, 28-29) से पराजय झेलनी पड़ी।

वीरु ने क्या दी... बाबर आजम को सलाह

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को फॉर्म हासिल करने के लिए घरेलू क्रिकेट में वापसी की सलाह दी है। वीरु का यह बयान आजम के हालिया खराब फॉर्म को लेकर आया है। पिछले डब्ल्यूटीसी चक्र में बाबर का प्रदर्शन चिंता का विषय रहा, जिसमें उन्होंने 2023 में पांच टेस्ट मैचों में औसतन 22.66 रन बनाए, और 2024 में चार टेस्ट मैचों में उनका औसत 18.50 रहा। पाकिस्तान ने हाल ही में मुल्तान में इंग्लैंड को 152 रनों से हराकर घरेलू टेस्ट में अपनी हार का सिलसिला खत्म किया। इस मैच से पहले पाकिस्तान ने टीम में कई बदलाव किए, इसमें बाबर आजम, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह को बाहर किया गया। पाकिस्तान के सहायक कोच अजहर महमूद ने कहा कि इन तीनों खिलाड़ियों को व्हाइट-बॉल दौरे के लिए आराम दिया गया था। इस निर्णय के बाद बाबर के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सहवाग ने पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर के यूट्यूब चैनल पर कहा, बाबर को अब घरेलू क्रिकेट खेलना चाहिए। इतना ही नहीं बाबर को अपनी फिटनेस पर काम करना चाहिए, परिवार के साथ समय बिताना चाहिए, जिससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर सकें।

हार्ट सर्जरी के बाद यश धुल की धमाकेदार वापसी, रणजी ट्रॉफी में लगाया शतक, बोले- यह जीवन है

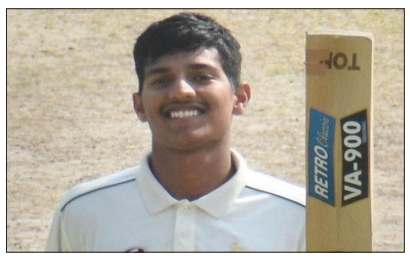

नई दिल्ली । तमिलनाडु के खिलाफ रविवार को एलीट ग्रुप डी रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान अपने शतक के बाद दिल्ली के युवा बल्लेबाज यश धुल ने जुलाई में हार्ट सर्जरी के बाद वापसी पर आभार व्यक्त किया। दिल्ली के लिए पहली पारी में धुल 189 गेंदों में 11 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 103* रन बनाकर नाबाद हैं। दिल्ली 264/8 पर 410 रन से पीछे है जबकि तमिलनाडु ने पहली पारी में 674/6 के विशाल स्कोर के साथ घोषित की। धुल दिल्ली के लिए किला संभाले हुए हैं और जितना संभव हो सके घाटे को कम करना चाहेंगे। हालांकि धुल ने कहा कि उनके सामने जो समस्या थी वह मामूली थी, लेकिन अगर इसे अनदेखा किया जाता तो यह कुछ गंभीर समस्याएं पैदा कर सकती थी। दिन के खेल के बाद धुल ने कहा, 'यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण पारी थी, क्योंकि यह सर्जरी के बाद की पारी थी।' उन्होंने कहा, 'मैंने बहुत कुछ देखा है। जब आप इस तरह के मंच पर खेलने के लिए वापस आते हैं और एक नई पारी शुरू करते हैं, तो यह अच्छी प्रेरणा और सकारात्मक संकेत होता है।' सर्जरी का विकल्प चुनने के कारण होने वाली समस्या के बारे में बात करते हुए धुल ने कहा, 'मुझे पता चला कि यह मामूली है और जन्म से [जन्मजात] है। लेकिन मैं फिर से मैदान पर खेल रहा हूं, यह भगवान की कृपा है। मैं धन्य हूं। मुझे बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में एक शिविर के दौरान [इस समस्या] पता चला। यह जीवन है। कुछ न कुछ होता रहता है।'

बजरंग और विनेश के ट्रायल्स से छूट लेने से विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई : साक्षी मलिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पूर्व पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि पिछले साल विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया का एशियाई खेलों के ट्रायल्स से छूट लेने के फैसले से बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ उनके विरोध प्रदर्शन की छवि प्रभावित हुई क्योंकि इससे यह अभियान स्वार्थी दिखने लगा। साक्षी इस विरोध प्रदर्शन के तीन मुख्य पहलवानों में से एक थीं, उन्होंने हाल में रिलीज हुई अपनी किताब 'विटनेस% में इसके अलावा अपने करियर के संघर्षों के बारे में भी लिखा है।

उन्होंने लिखा कि जब बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू किया तो उनके विरोध प्रदर्शन में दरार आने लगी। इन तीनों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख शरण सिंह पर अपने कार्यकाल के दौरान महिला पहलवानों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप लगया था और मामला दिल्ली की अदालत में चल रहा है।

डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद तदर्थ समिति ने कुश्ती का कामकाज देखना शुरू किया जिसने बजरंग और विनेश को 2023 एशियाई खेलों के ट्रायल्स में छूट दी लेकिन साक्षी ने अपने साथियों के सुझाव के बावजूद ऐसा नहीं करने का फैसला किया। अंत में साक्षी हिस्सा नहीं ले सकीं लेकिन विनेश खेलों से पहले चोटिल हो गईं और बजरंग पदक जीतने में असफल रहे। साक्षी की आत्मकथा के जोनाथन सेल्वाराज सह लेखक हैं। इसमें साक्षी ने हालांकि उन लोगों के नाम का खुलासा नहीं किया जिन्होंने बजरंग और विनेश को प्रभावित किया।

साक्षी ने लिखा, 'पहले की तरह स्वार्थी सोच फिर से हावी होने लगी। बजरंग और विनेश के करीबी लोगों ने उनके दिमाग में लालच भरना शुरू कर दिया। वे खेलों के लिए ट्रायल्स से छूट लेने की बात करने लगे।' उन्होंने लिखा, 'बजरंग और विनेश के ट्रायल्स से छूट लेने का अच्छा असर नहीं पड़ा। इससे हमारे विरोध प्रदर्शन की छवि बुरी तरह प्रभावित हुई। इससे हम ऐसी स्थिति में पहुंच गए जिसमें कई समर्थकों ने यह सोचना शुरू कर दिया कि हम अपने स्वार्थ के लिए यह विरोध कर रहे हैं।'

विनेश और बजरंग दोनों इस महीने के शुरू में हरियाणा विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस पार्टी से जुड़ गए। विनेश जुलाना विधानसभा से जीत गईं जबकि बजरंग पार्टी की राष्ट्रीय किसान इकाई के प्रमुख बने। साक्षी ने किताब में बताया कि बचपन में ट्यूशन देने वाले शिक्षक से छेड़छाड़ के बारे में वह अपने परिवार को नहीं बता सकीं थीं क्योंकि उन्हें लगता था कि यह उनकी गलती थी।

उन्होंने लिखा, 'मैं इसके बारे में अपने परिवार को नहीं बता सकी क्योंकि मुझे लगा कि यह मेरी गलती थी। मेरे स्कूल के दिनों में ट्यूशन देने वाला शिक्षक मुझे प्रताड़ित करता। वह मुझे क्लास लेने के लिए बेवक्त अपने घर

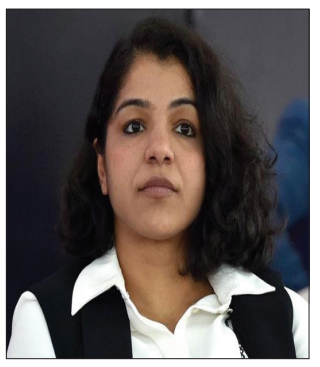

बुलाता और कभी कभार मुझे छूने की कोशिश करता। मैं ट्यूशन क्लास के लिए जाने के लिए डरी रहती लेकिन मैं अपनी मां को नहीं बता सकी।' किताब में साक्षी ने अपने करियर के शुरूआती संघर्षों के अलावा पूर्व पहलवान बबीता फोगाट पर अपने स्वार्थ के लिए विरोध प्रदर्शन का फायदा उठाने का आरोप भी लगाया।

रियल मैड्रिड के लिए खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने लुका मोड्रिक

पोंटेवेद्रा (स्पेन) । लुका मोड्रिक ने रियल मैड्रिड के इतिहास में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। 39 साल और 40 दिन की उम्र में विगो के बैलाडोस स्टेडियम में सेल्टा के खिलाफ मैदान पर उतरकर वह रियल मैड्रिड के इतिहास में आधिकारिक मैच खेलने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। इस मैच में उतरकर उन्होंने हंगरी के दिग्गज खिलाड़ी फेरेंक पुस्कस का 1966 का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 39 साल और 36 दिन की उम्र में अपना आखिरी आधिकारिक मैच खेला था। इसके साथ ही, लुका ने रियल मैड्रिड के लिए अपनी 250वीं लालिगा जीत भी दर्ज की, जो कि उनके करियर का एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। वह क्लब के साथ अपने 13वें सीज़न में हैं और 369वां लालिगा मैच खेल रहे हैं। मॉड्रिक ने 2012 में लालिगा में पदार्पण किया था और तब से उन्होंने रियल मैड्रिड को 4 लालिगा चैंपियनशिप जीतने में मदद की है। मोड्रिक ने अब तक रियल मैड्रिड के लिए 547 मैचों में 27 खिताब जीते हैं, जिनमें 6 यूरोपीय कप, 5 क्लब विश्व कप, 5 यूरोपीय सुपर कप, 4 स्पेनिश लीग खिताब, 2 स्पेनिश कप, और 5 स्पेनिश सुपर कप शामिल हैं, जो उन्हें क्लब के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक बनाता है।

हॉकी का ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल से बाहर होना तय, सीजीएफ , एफआईएच ने साधी चुप्पी

मेलबर्न (एजेंसी)। हॉकी का 2026 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों से बाहर होना तय है क्योंकि मेजबान शहर ग्लासगो लागत में कटौती करना चाहता है। इसकी जानकारी यहां कई मीडिया रिपोर्ट में दी गई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) और राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) दोनों इस मामले पर चुप्पी साधे हुए हैं। हॉकी को 1998 में राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल किया गया था और तब से वह इन खेलों का अभिन्न अंग बना रहा लेकिन मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि ग्लासगो खेलों के आयोजक नेट बॉल और रोडरेसिंग के साथ हॉकी को भी खेलों से हटाना चाहते हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 आयोजन पहले ऑस्ट्रेलिया के राज्य विक्टोरिया में होना था लेकिन वह बढ़ती लागत के कारण मेजबानी से हट गया था। इसके बाद स्कॉटलैंड ने इन खेलों की मेजबानी करने के लिए कदम बढ़ाया। खेलों का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित किया जाना है। इस संदर्भ में पीटीआई ने जब अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से संपर्क किया तो उसने कार्यक्रम के आधिकारिक तौर पर जारी होने तक टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एक अधिकारी ने कहा, ''एक-दो दिन में स्थिति स्पष्ट हो जाएगी और आपको जानकारी मिल जाएगी। हमारी तरफ से जब तक सीजीएफ से कोई आधिकारिक बातचीत नहीं हो जाती तब तक हम इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते हैं।''

सीजीएफ ने भी ऐसी ही प्रतिक्रिया दी। हॉकी का खेलों से बाहर रहना इसलिए भी तय माना जा रहा है क्योंकि इन खेलों का आयोजन 23 जुलाई से दो अगस्त तक किया जाएगा जबकि इसके तुरंत बाद 15 से 30 अगस्त तक वावरे, बेल्जियम और अम्स्टेलवीन, नीदरलैंड में हॉकी विश्व कप आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रमंडल खेलों से हॉकी का बाहर होना भारत के लिए एक बड़ा झटका होगा क्योंकि उसकी पुरुष टीम इस खेल में तीन बार की रजत विजेता और दो बार की कांस्य पदक विजेता है। महिलाओं ने एक स्वर्ण सहित तीन पदक जीते हैं।

भारत-ऑस्ट्रेलिया के सामने जो रूट की होगी परीक्षा : चैपल

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर इयान चैपल ने इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज जो रूट की शानदार रन बनाने की क्षमता पर बात करते हुए कहा है कि आने वाले 12 मैचों में रूट को भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। रूट ने अब तक 148 टेस्ट मैचों में 12,716 रन बनाए हैं, जिसमें पिछले ढाई वर्षों में 10 शतक शामिल हैं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी सर एलिस्टर कुक से छीन लिया है। अपने एक कॉलम में चैपल ने लिखा कि पाकिस्तान के खिलाफ स्पिन की मदद से 3 मैचों की सीरीज में संतुलन बनाने के बाद रूट का प्रदर्शन और भी देखने लायक होगा। उन्होंने कहा कि रूट स्वाभाविक रूप से रन बनाने के लिए बने हैं और भारत के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट पारी में 73 रन बनाकर उन्होंने अपनी क्षमता दिखाई थी। रूट की बल्लेबाजी शैली को सराहते हुए चैपल ने कहा कि वह हर मौके पर रन बनाने की भूख रखते हैं और इंग्लैंड के लिए महत्वपूर्ण पारियां खेलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। आने वाले समय में रूट की असली परीक्षा भारत और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगी। इन दो कठिन श्रृंखलाओं में उन्हें टेस्ट क्रिकेट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों का सामना करना पड़ेगा। इन दोनों टीमों के आक्रमण में तेज गेंदबाज और स्पिनर दोनों शामिल हैं, जो रूट की तकनीक की गंभीर जांच करेंगे। चैपल ने कहा कि ये चुनौतियां रूट और इंग्लैंड दोनों के लिए बेहद कठिन होंगी। इसके अलावा, चैपल ने यह भी उल्लेख किया कि रूट ने अब तक ऑस्ट्रेलिया में एक भी टेस्ट शतक नहीं बनाया है, भले ही उन्होंने वहां 27 पारियां खेली हैं। उनका औसत लगभग 35 का है और उन्होंने 9 अर्धशतक बनाए हैं, लेकिन शतक का सूखा बना हुआ है। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर रूट तेज गेंदबाजों के शिकार बने हैं, जो उनकी कमजोरी का संकेत देता है। विशेष रूप से, वह कई बार विकेट के पीछे कैच आउट हुए हैं, जो पिचों की अतिरिक्त उछाल के कारण है। चैपल ने कहा कि रूट को इन पिचों का बेहतर आकलन करने की जरूरत है ताकि वह इन परिस्थितियों में और बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

मयंक यादव भारतीय तेज गेंदबाजी की कमान संभालेंगे: मोहम्मद शमी

गुरुग्राम (हरियाणा) (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव की तारीफ की है और उन्हें भारतीय गेंदबाजी का भविष्य बताया है। शमी ने खुद को 100 फीसदी फिट और गेंदबाजी के लिए तैयार बताया है। उनका मानना है कि मयंक यादव और हर्षित राणा जैसे युवा भारतीय तेज गेंदबाजी की कमान संभाल सकते हैं।

चोट के बावजूद इस टूर्नामेंट में खेलने वाले 34 वर्षीय शमी ने 10.70 की शानदार औसत से 24 विकेट लेकर भारत को 2023 वनडे विश्व कप में उपविजेता बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। शमी अब अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रहे हैं। फरवरी में लंदन में सर्जरी के बाद यह तेज गेंदबाज बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपनी रिकवरी पर काम कर रहा है।

शमी ने कहा, 'भारतीय क्रिकेट के लिए सबसे अच्छी बात यह है कि हमारी तेज गेंदबाजी की ताकत वास्तव में बढ़ गई है। पहले हमारे पास कुछ ही गेंदबाज हुआ करते थे जो 140-145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते थे, लेकिन अब बेंच पर बैठे गेंदबाज भी 145 से ऊपर की रफ्तार से गेंदबाजी कर रहे हैं। तेज गेंदबाजी में जिन नामों ने मुझे वास्तव में प्रभावित किया है उनमें से एक नाम मयंक यादव का है। वह वास्तव में प्रभावशाली हैं, वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो भविष्य में भारतीय तेज गेंदबाजी की बागडोर संभालेंगे।' शमी ने कहा, 'हमने 2014 से एक इकाई के रूप में काम किया है। भारत के पास कभी भी एक समय में तीन गेंदबाज नहीं थे जो 140 किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकें। अब हमारे पास बेंच पर कुछ ऐसे हैं जो 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं। यह पीढ़ी जानती है कि कैसे जवाबी हमला करना है और हमने विदेशों में यह दिखाया है।'

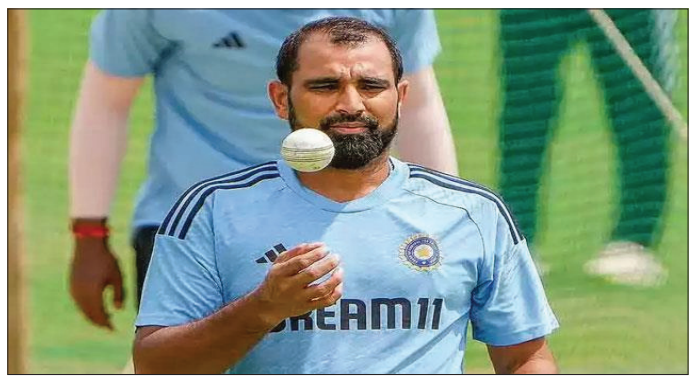

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मेहंदी से बाल हो गए हैं ड्राई तो आप भी ट्राई कर सकती हैं ये होममेड हेयर मास्क

आमतौर पर लोग सफेद बालों को कलर करने के लिए मेहंदी का इस्तेमाल करते हैं। मेहंदी के इस्तेमाल से बालों को अच्छा कलर तो मिल जाता है और कुछ दिनों के लिए बालों के सफेद दिखने की समस्या भी कम हो जाती है। लेकिन कई बार मेहंदी लगाने के बाद बाल ड्राई होने लगते हैं और ड्राई बाल मुख्य रूप से हेयर फॉल का कारण भी बनते हैं। अक्सर मेहंदी अप्लाई करते समय हम कुछ गलतियां करते हैं जिसकी वजह से बाल ज्यादा ड्राई हो जाते हैं। जैसे मेहंदी से पहले बालों में तेल न लगाना और रूखे बालों में ही मेहंदी लगाना।

जब हम रूखे बालों में ही मेहंदी का इस्तेमाल करने लगते हैं तो मेहंदी लगाने के बाद बाल और ज्यादा रूखे और बेजान हो जाते हैं। अगर आपके बाल भी मेहंदी के बाद ज्यादा ड्राई हो जाते हैं तो आप इनकी ड्राइनेस कम करने के लिए बालों में कुछ होममेड हेयर मास्क अप्लाई कर सकती हैं। ये हेयर मास्क वैसे तो पूरे तरह से प्राकृतिक हैं और इनका बालों में कोई भी साइड इफेक्ट नहीं है लेकिन बालों में ये हेयर मास्क अप्लाई करने से पहले आप विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें क्योंकि सभी के बालों का प्रकार अलग होता है और किसी भी सामग्री का असर आपके बालों पर अलग तरीके से हो सकता है।

बालों में मेहंदी लगाने के बाद इन बातों का रखें ध्यान

यदि आप बालों में मेहंदी अप्लाई करती हैं तो आपको सबसे ज्यादा ध्यान में रखने वाली बात ये है कि मेहंदी लगाने से पहले किसी भी ऑयल जैसे जैतून या नारियल के तेल का इस्तेमाल करें।

ब्राउन शुगर और ऑलिव ऑयल हेयर मास्क

ब्राउन शुगर बालों के लिए एक बेहतरीन एक्सफोलिएंट है जो आपके स्कैल्प से उन मृत त्वचा कोशिकाओं और किसी भी बचे हुए अवशेष के निर्माण से छुटकारा पाने में मदद करता है। वहीं जैतून का तेल हमेशा सूखे बालों के इलाज के लिए प्राकृतिक कंडीशनर के रूप में उपयोग किया जाता है। यह बालों को नमी प्रदान करके बालों की ड्राइनेस को कम करने में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री

शुगर – 2 बड़े चम्मच
जैतून का तेल– 1 बड़ा चम्मच

हेयर मास्क बनाने और इस्तेमाल का तरीका

- एक बाउल में चीनी और तेल को एक साथ मिलाकर हेयर मास्क तैयार करें।
- इस हेयर मास्क को अपने बालों में ऊपर से नीचे तक लगाएं।
- हेयर मास्क को अपने बालों पर 15–20 मिनट के लिए लगा रहने दें।
- बालों को शॉवर कैप से ढककर रखें।
- 15 –20 मिनट के बाद बालों को अच्छी तरह से शैम्पू करें और शैम्पू के बाद बालों में कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें।

मेहंदी बालों से हटाने के तुरंत बाद शैम्पू न करें बल्कि कम से कम 12 घंटे बाद ही बालों को शैम्पू करें। शैम्पू के बाद आप कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें, क्योंकि मेहंदी बालों को ड्राई कर सकती है।

बालों में मेहंदी के बाद होममेड हेयर मास्क क्यों जरूरी है

यदि आप मेहंदी से ड्राई हो चुके बालों में होममेड हेयर मास्क अप्लाई करती हैं तो ये 20 मिनट से भी कम समय में आपके बालों को ढेर सारे लाभ प्रदान करने में मदद करता है। हेयर मास्क आपके बालों को मुलायम और हाइड्रेटिंग बनाने के साथ बालों की ग्रोथ को बढ़ावा देने, बालों में चमक जोड़ने और यहां तक कि बालों के झड़ने को कम करने में भी मदद करते हैं। आइए जानें मेहंदी का बालों में इस्तेमाल करने के बाद आप कौन से हेयर मास्क का इस्तेमाल अपने बालों में कर सकते हैं।

नारियल तेल का हेयर मास्क

नारियल तेल बालों की ड्राईनेस को कम करने में मदद करता है और मेहंदी से ड्राई हो चुके बालों को भी शाइन प्रदान करने में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री

शहद – 1 बड़ा चम्मच
नारियल तेल – 1 बड़ा चम्मच

बनाने और इस्तेमाल का तरीका

- एक कटोरी में 1 बड़ा चम्मच नारियल का तेल और 1 बड़ा चम्मच शहद डालकर आपस में अच्छी तरह से मिलाएं।
- मिश्रण को एक बर्तन में निकाल लें और इसे गर्म करें ताकि शहद और नारियल का तेल एक दूसरे में अच्छी तरह से मिक्स हो जाए।
- मिश्रण को वापस बाउल में डालें और ठंडा होने दें। फिर, अपने बालों पर ऊपर से नीचे तक मास्क लगाएं और अपने पूरे बालों पर पूरी तरह से अप्लाई करें। यदि आपकी जड़ें आमतौर पर काफी ऑयली हैं, तो केवल मध्य लंबाई से नीचे तक मास्क लगाएं।
- बची हुई नमी को बनाए रखने के लिए शॉवर कैप लगाएं।
- 20 मिनट के बाद अपने बालों को गर्म पानी से धो लें और हमेशा की तरह शैम्पू और कंडीशनर करें।
- अगर आपके बाल मेहंदी लगाने के बाद रूखे हो गए हैं तो आपको बालों की ज्यादा देखभाल करने की जरूरत है। इसके लिए यहां बताए हेयर मास्क अप्लाई करें। लेकिन इन मास्क का इस्तेमाल करने से पहले एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

वेडिंग गिफ्ट जा रही हैं खरीदने तो इन जरूरी बातों को रखें खास ख्याल

शादियों का सीजन शुरू हो गया है, ऐसे में सिर्फ कपड़े–गहने ही नहीं बल्कि गिफ्ट की भी खरीदारी शुरू हो जाती हैं। खासकर अगर शादी घर के किसी सदस्य की हो तो इस बात को सोचना और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है कि आखिर गिफ्ट में दूल्हा और दुल्हन को क्या दिया जाए? बता दें कि इंडियन वेडिंग में महंगे तोहफे देने का रिवाज काफी पुराना है, लेकिन अब समय काफी बदल गया है, ऐसे में बजट के साथ–साथ जरूरत का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

वहीं कुछ लोग वेडिंग गिफ्ट खरीदारी में समय अधिक चला जाता है। दरअसल, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि लोग गिफ्ट को लेकर काफी कंफ्यूजन रहते हैं, ऐसे में हम पहले डिसाइड कर लें, तो पैसे और समय दोनों को बचाया जा सकता है। इसलिए वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी करते वक्त कुछ बातों का ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

वेडिंग गिफ्ट सेलेक्शन

वेडिंग गिफ्ट में क्या दें, यह सबसे बड़ा सवाल होता है। आप इसे बारे में दूल्हा या फिर दुल्हन से सवाल भी नहीं कर सकते हैं। इसके अलावा दूसरों से पूछने पर वो अलग से आपको आइडिया दे सकते हैं। इस तरह कंफ्यूजन काफी बढ़ जाता है, इसलिए बेहतर है कि आप खुद तय करें कि शादी के बाद दूल्हा और दुल्हन को किन चीजों को जरूरत अधिक पड़ती है। उसे ध्यान में रखते हुए गिफ्ट की खरीदारी करें। इसके अलावा गिफ्ट इस उम्मीद से ना दें, आपको वापस मिल सकता है। गिफ्ट अच्छा और जरूरत को ध्यान में रखकर दें।

कैश रजिस्टरी का ऑप्शन चुने

वेडिंग गिफ्ट के तौर पर कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी से पहले आप चाहें तो कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। दरअसल, आज कल डेस्टिनेशन का ट्रेंड चल पड़ा है। ऐसे में साथ में गिफ्ट ले जाना काफी ओल्ड फैशन हो सकता है। आप चाहें तो कैश रजिस्ट्री का ऑप्शन चुन सकती हैं। कैश रजिस्ट्री कराने से न्यूली मैरिड कपल अपनी पसंद और जरूरत के अनुसार चीजें खरीद सकती हैं। वहीं कपल भी चाहें तो इस कैश को आने वाले समय के लिए सेव भी कर सकते हैं।

खरीदारी से पहले बजट सेट करें

वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी से पहले बजट तय कर लें। दरअसल, कई बार मार्केट में खरीदने कुछ जाते हैं और खरीदकर कुछ लाते हैं। मार्केट में चीजें की तरह–तरह होती हैं, जिसे लेकर कंफ्यूजन काफी होता है। अगर आप बजट सेट करने से आप कंफ्यूज नहीं होंगे और उतनी ही कीमत में आप गिफ्ट खरीदकर लाएंगे। इस तरह आप फिजूलखर्ची से भी बच सकती हैं।

ऑफलाइन और ऑनलाइन चेक करें

कई बार हम वेडिंग गिफ्ट की खरीदारी आखिरी समय में करते हैं, ऐसे में आप चाहे तो ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों का ऑप्शन चुन सकती हैं। दरअसल, घर की शादी में काफी तैयारी करनी पड़ती है।

ऑफलाइन खरीदारी में काफी समय चला जाता है, ऐसे में आप समय को बचाना चाहती हैं तो ऑनलाइन खरीद सकती हैं। वहीं अगर आप ने तय कर लिया कि आपको दूल्हा और दुल्हन को गिफ्ट में क्या देने वाली हैं तो उसे ऑनलाइन पहले चेक कर लें। इसके बाद समय है तो ऑफलाइन खरीदारी कर सकती हैं।

क्वालिटी जरूर करें चेक

अक्सर ऐसा देखा होगा कि लोग शादी के गिफ्ट के तौर पर एक नहीं कई चीजें देते हैं। हालांकि, जब बाद में उसे चेक करें तो कई चीजें खराब या फिर इस्तेमाल के योग्य नहीं होती। इससे छवि खराब होती है, इसलिए एक साथ कई सारी चीजें तोहफे में देने के बजाय एक ही चीज सेलेक्ट और उसे गिफ्ट करें। कोशिश करें कि खरीदारी करते वक्त वेडिंग गिफ्ट को अच्छी तरह चेक कर लें। उसकी क्वालिटी अच्छी होनी चाहिए।

शादियों का सीजन चल रहा है और जिनकी शादी होने वाली है, उन्होंने अभी से इसकी तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। शादी की तैयारियां केवल शॉपिंग पर खत्म नहीं होती हैं, बल्कि जल्द न्यूली वेड कपल बनने की तैयारी कर रहे जोड़े अपने रूम को सजाने और संवारने के बारे में भी बातें करते हैं।

ऐसा होना चाहिए न्यूली वेड कपल का बेडरूम

दुल्हन का आगमन हजारों खुशियां लेकर आता है। हिंदू धर्म में तो दुल्हन को देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना गया है। ऐसे में देवी लक्ष्मी का गृह प्रवेश परिवार में सुख और समृद्धि लेकर आए, इसके लिए घर में जुड़ने वाली नई सदस्या का खुश रहना बहुत जरूरी है। किसी को भी सबसे ज्यादा सुकून उसके अपने कमरे में मिलता है, इसलिए न्यूली वेड कपल का कमरा सेट करते वक्त कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। खासतौर पर वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा कैसा होना चाहिए, इस परएस्ट्रोलॉजर एवं वास्तु एक्सपर्ट कहती हैं, 'न्यूली वेड कपल के कमरे की दिशा, रंग और उसमें रखे सामान का वास्तु के हिसाब से होना बहुत जरूरी है। इससे उनका रिश्ता बेहतर बनता है और परिवार के लिए भी सब कुछ शुभ होता है।'

बेडरूम की दिशा

वास्तु एक साइंस है और 'वे ऑफ आर्किटेक्चर' है। इसमें दिशाओं का विशेष महत्व होता है।' इसलिए वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा साउथ–ईस्ट दिशा में होना चाहिए और घर की सबसे ऊपर वाली मंजिल में होना चाहिए। हालांकि, कई बार वास्तु के हिसाब से न्यूली वेड कपल का कमरा सही दिशा में नहीं होता है। ऐसे में वास्तु दोष को दूर करने के लिए कमरे में बेड की सेटिंग इस तरह होनी चाहिए कि दुल्हन का सिर साउथ में और पैर नॉर्थ में हो। इस दौरान ध्यान रखें कि पैर एकदम दरवाजे के सामने नहीं होने चाहिए। अगर इस दिशा में सोने की व्यवस्था नहीं हो पा रही हैं तो ईस्ट की ओर सिर किया जा सकता है। लेकिन जब भी आपको कंसीव करना हो तो अपने सोने की जगह को बदल लें।

बेड कैसा होना चाहिए

सोशल डेकोरेशन को भूल कर आपको लकड़ी का ही बेड अपने लिए चुनना चाहिए। 'मेटल में कोल्ड एनर्जी होती होती है और वुड में वॉर्म एनर्जी होती है। न्यूली वेड कपल्स को वॉर्म एनर्जी की जरूरत होती है।' इसके साथ ही, इस बात का ध्यान रखें कि बेड में अगर बॉक्स भी है तो उसमें कोई भी कबाड़ न रखें और न ही कोई धारदार चीज रखें। यहां तक की बेड पर पड़ा गद्दा भी सिंगल होना चाहिए।

कैसा होना चाहिए कमरे में शीशा

शीशा आपका प्रतिबिंब बनाता है। किसी भी चीज को डबल करना और एनर्जी को फैलाना शीशे की प्रॉपर्टी होती है। इसलिए शीशे का सही दिशा में होना जरूरी है। सोते वक्त शीशे में आप नजर न आएं इसके लिए हमेशा शीशा बेड के बगल में होना चाहिए।

कमरे का डेकोरेशन कैसा होना चाहिए

कमरे के डेकोरेशन में सबसे ज्यादा लोग फोटो फ्रेम्स का इस्तेमाल करते हैं। न्यूली वेड कपल्स को भी अपने कमरे में हमेशा ऐसी तस्वीरें लगानी चाहिए, जो उन्हें खुशी दें। भगवान की तस्वीर कभी न लगाएं, सोलो व्यक्ति की तस्वीर न लगाएं और जंगली जानवरों की तस्वीरें भी न लगाएं। कपल अपनी भी तस्वीर लगा सकते हैं।

कमरे का रंग कैसा होना चाहिए

अपना फेवरेट कलर ही कमरे की दीवारों पर कराएं। हो सके तो कमरे में कहीं न कहीं लाल रंग का इस्तेमाल जरूर करें। क्योंकि यह रंग एनर्जी को बढ़ाता है और कपल के बीच के प्रेम संबंधों को मधुर बनाता है। ज्यादा लाल रंग न इस्तेमाल करें क्योंकि इससे कंसीव करने में दिक्कत आती है और लड़ाई झगड़े भी होते हैं।

घर पर बनाएं मूंग दाल डोसा

साउथ इंडियन खाने का अपना अलग ही मजा है। स्वादिष्ट होने के साथ-साथ दक्षिण भारतीय व्यंजन हेल्दी भी हो सकते हैं, क्योंकि उनमें तेल की मात्रा कम से कम होती है। इडली, डोसा, सांभर, रसम, वड़ा, अप्पम, लेमन राइस जैसे अन्य कई व्यंजनों को देखकर आपके मुंह भी पानी आता होगा? दूसरी सबसे अच्छी बात यह है कि आप इनका आनंद सुबह नाश्ते, ब्रंच, लंच, स्नैक्स और डिनर में भी ले सकते हैं।

आज हर शहर में आप साउथ इंडियन फूड का आनंद ले सकते हैं। इतना ही नहीं, घर पर भी इन्हें बनाया जा सकता है। अब बात करें डोसा की, तो आज हम आपके लिए डोसा की रेसिपी लेकर आए हैं, लेकिन यह आम डोसा नहीं, बल्कि मूंग दाल से बनने वाला डोसा है। इसे आप केवल दो मिनट में बना भी सकते हैं।

बनाने का तरीका

- मूंग दाल का डोसा बनाने के लिए पहले जरूरी सामग्री को इकट्ठा कर लें। मूंग दाल को कुछ देर पहले भीगोकर रखें। उसके बाद एक मिक्सी में भीगी हुई मूंग दाल, थोड़ा–सा पानी, अदरक और हरी मिर्च डालकर ग्राइंड कर लें।
- जब बैटर तैयार हो जाए तो उसे एक भगोने में निकाल कर रख लें। अब तैयार बैटर में स्वादानुसार नमक और दो चम्मच चावल का आटा डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- अब एक तवा गर्म करें और उस पर यह बैटर फैला लें। थोड़ी देर सेकने के बाद बैटर के ऊपर हल्का–सा तेल डालें और फिर आलू का मसाला डालने की बजाय उसमें बारीक कटा प्याज, टमाटर और धनिया डालें।
- इसे कुछ सेकंड सेकने के बाद डोसा फोल्ड करें और एक प्लेट पर निकाल लें। स्वादिष्ट टमाटर और नारियल की चटनी के साथ मूंग दाल के इस डोसे को सर्व करें।
- घर पर मूंग दाल का डोसा बनाना बेहद आसान है। इसे बनाने में आपको केवल दो मिनट लगेंगे। आइए जानें इसकी आसान रेसिपी

विधि

- भीगी हुई मूंग दाल को एक मिक्सी में डालें और उसमें अदरक और हरी मिर्च डालकर ग्राइंड करें।
- बैटर को एक भगोने में निकालें और उसमें चावल का आटा और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स करें।
- अब एक तवा गर्म करें और उसमें तैयार बैटर फैलाएं। ऊपर से हल्का–सा तेल डालें और कुछ देर सेक लें।
- अब इसमें बारीक कटा हुआ प्याज, टमाटर और धनिया डालें। डोसा को फोल्ड कर एक प्लेट में निकालें और चटनी के साथ सर्व करें।

सामग्री

1 कप मूंग दाल
1 इंच अदरक
2 चम्मच चावल का आटा,
1 हरी मिर्च
आधा कप पानी,
स्वादानुसार नमक
1 बारीक कटा प्याज
1 बारीक कटा टमाटर
1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हुआ धनिया

सिर्फ सेहत ही नहीं, घर चमकाने के काम भी आता है जैतून का तेल

जैतून तेल का इस्तेमाल सेहत और ब्यूटी से जुड़ी परेशानियों को दूर करने के लिए किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि यह घर की सफाई में भी मददगार है। जी हां, जैतून के तेल से आप घर की साफ–सफाई भी कर सकते हैं। चलिए आज हम आपको बताते हैं कि किस तरह जैतून के तेल का इस्तेमाल आपके घर की छोटी–छोटी प्रॉब्लम को दूर करता है।

लकड़ी के फर्श को करें साफ

1 चम्मच ऑलिव ऑयल और 1/2 चम्मच व्हाइट विनेगर को मिक्स करके उसे अपनी घर की फर्श को साफ करें। यह आपके फर्श को नए जैसा चमका देगा और इससे फर्श के दाग–धब्बे भी आसानी से साफ हो जाएंगे।

पुराने फर्नीचर को रखें नए जैसा

लकड़ी के फर्नीचर की अलग सही तरीके से देखभाल न की जाए तो वह खराब होने लगते हैं। ऐसे में आप कपड़े पर हल्का–सा जैतून का तेल लगाकर लकड़ी के फर्नीचर को साफ करें। उसके बाद सूखे कपड़े के फर्नीचर साफ करें। इससे आपका पुरानी वुडन फर्नीचर भी नया लगेगा।

बर्तनों को चमकाएं

रसोई में खाना बनाते हुए कई बार बर्तन जल जाते हैं। ऐसे में सबसे पहले उसपर व्हाइट विनेगर और बेकिंग सोडा डालकर बर्तन को सा करें। फिर उसपर जैतून का तेल 3 नमक डालकर स्क्रब की मदद से साफ करें। इससे आपका बर्तन बिल्कुल साफ हो जाएगा।

जूट फर्नीचर की सफाई

जूट के फर्नीचर में गंदगी आसानी नहीं निकलती और उसकी शाइन खोने लगती है। वैक्यून क्लीनर से सफाई करने के बावजूद भी वह अच्छी तरह साफ नहीं होते। ऐसे में आप कपड़े पर जैतून का तेल लगाकर फर्नीचर की सफाई करें। इससे उसकी धूल–मिट्टी भी आसानी से निकल जाएगा और नए भी लगने लगेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में नाव हादसा- ढहा फेरी प्लेटफॉर्म, 7 की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी राज्य जॉर्जिया के सैपेलो द्वीप पर एक फेरी (छोटे यात्री जहाज) प्लेटफॉर्म के ढहने से बड़ा हादसा हुआ है। जिसमें कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि शनिवार को एक नाव से टकराने के बाद घाट पर स्थित एक गैंगवे (प्रवेश करने का पथ) ढह गया। इस दौरान वहां जश्न मनाने के लिए एकत्र हुए लोग पानी में गिर गए। जॉर्जिया प्राकृतिक संसाधन विभाग के प्रवक्ता टायलर जोन्स के अनुसार कई लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया और अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट में जॉर्जिया के गवर्नर ब्रायन केम्प ने कहा कि वह और उनका परिवार सपेलो द्वीप पर हुई त्रासदी से दुखी हैं। राज्य और स्थानीय बचाव दल इस घटना पर नजर बनाए हुए हैं, वह काम कर रहे हैं, इसलिए हम जॉर्जिया वासियों से अनुरोध करते हैं कि वह हमारे साथ मिलकर उन लोगों के लिए प्रार्थना करें जो खो गए हैं, जो अभी भी खतरे में हैं, उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करें। जॉर्जिया के प्रतिनिधि बडी कार्टर ने एक्स पर पोस्ट में कहा, फेरी डॉक पर हुई त्रासदी के बाद मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं सैपेलो द्वीप के साथ हैं। गवर्नर केम्प ने खोज, बचाव और रिकवरी में सहायता के लिए राज्य संसाधन भेजे हैं। इस हृदय विदारक क्षति के बाद मदद के लिए आगे आने वाले सभी लोगों का धन्यवाद। बता दें कि जॉर्जिया के मैकिन्टोश काउंटी में स्थित राज्य संरक्षित अवरोधक द्वीप सैपेलो द्वीप तक केवल नाव द्वारा ही पहुंचा जा सकता है।

एयर न्यूजीलैंड के विमान को मिली बम से उड़ाने की धमकी, 140 यात्री थे सवार

सिडनी, एजेंसी। एयर न्यूजीलैंड के विमान को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि शनिवार को सिडनी एयरपोर्ट पर एयर न्यूजीलैंड के विमान में बम की सूचना मिली। इस विमान में करीब 140 यात्री सवार थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने स्काई न्यूज ऑस्ट्रेलिया और चैनल नाइन न्यूज वेबसाइट के हवाले से बताया कि वेलिंगटन से सिडनी जा रही एयर न्यूजीलैंड की एक उड़ान को बम से उड़ाने की धमकी मिली। सूचना के समय विमान में 140 यात्री सवार थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि बम की सूचना मिलने के बाद विमान को सुरक्षित तरीके से लैंड कराया गया है। दरअसल, एयर न्यूजीलैंड की फ्लाइट एनजेड-247 ने स्थानीय समयानुसार शाम करीब 5 :40 बजे वेलिंगटन से उड़ान भरी थी। बम की सूचना मिलने के बाद टेक्निकल ऑपरेशन यूनिट, पैरामेडिक्स और अग्निशमन दल को तुरंत ही मौके पर बुलाया गया। रिपोर्ट के अनुसार, विमान जब हवा में था तो एयर न्यूजीलैंड ने पुष्टि की है कि उन्हें सुरक्षा खतरे की संभावना के बारे में पता है। एयरलाइन के मुख्य परिचालन और सुरक्षा अधिकारी कैप्टन डेविड मॉर्गन ने एक बयान में कहा, हम स्थानीय अधिकारियों के साथ काम कर रहे हैं और ऐसी घटनाओं के लिए स्थापित मानक प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं।

अफगान सरकार ने हमास नेता सिनवार की मौत पर जताया शोक

काबुल, एजेंसी। अफगानिस्तान की कार्यवाहक सरकार ने हमास नेता याह्या सिनवार की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की। इस बात की जानकारी प्रशासन के प्रवक्ता ज ब ी ह ु ल ा ह मुजाहिद ने दी। मुजाहिद ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, हम याह्या सिनवार की शहादत पर इस्लामिक प्रतिरोध आंदोलन (हमास) और सभी मुजाहिद्दीनों (इस्लामी लड़ाकों) के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। समाचार एजेंसी शन्हिुआ के अनुसार, हमास ने शुक्रवार को सिनवार की मौत की पुष्टि की। सिनवार को इस्माइल हानिया की जगह हमास के राजनीतिक ब्यूरो का प्रमुख नियुक्त किया गया था। हानिया की इस वर्ष जुलाई में ईरान के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के दौरान तेहरान में हत्या कर दी गई थी। इजराइल ने दावा किया है कि 61 वर्षीय सिनवार को पिछले साल 7 अक्टूबर को हुए घातक हमलों के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया था। उसे गाजा में सुरंग नेटवर्क में स्वतंत्र रूप से घूमते हुए देखा गया। सिनवार की मौत की पुष्टि के बाद आईडीएफ प्रमुख ने कहा, हम उन सभी लोगों का पीछा करना और उन्हें खत्म करना जारी रखेंगे, जो इजरायल के नागरिकों को धमकाते हैं। हम तब तक नहीं रुकेंगे जब तक हम 7/10 में शामिल सभी आतंकवादियों को पकड़ नहीं लेते और सभी अपहृत लोगों को घर वापस नहीं भेज देते।

ड्रोन अटैक के जवाब में इजराइल का बेरूत पर हमला, दाहियेह इलाके को खाली करने के आदेश

तेल अवीव, एजेंसी। इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर शनिवार को हुए ड्रोन अटैक के बाद इजराइल ने लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर हमला किया है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक इजराइली सेना लेबनान में अब तक सबसे बड़ा ऑपरेशन चला रही है। हिजबुल्लाह ने भी इजराइल के उत्तरी इलाकों पर कई रॉकेट हमले किए हैं। नेतन्याहू ने घर पर हुए हमले के बाद इसे हिजबुल्लाह की भारी गलती करार दिया। नेतन्याहू ने कहा कि हत्या का ये प्रयास उन्हें हिजबुल्लाह को खत्म करने से नहीं रोक सकता है। इजराइली पीएम ने ईरान समर्थित हिजबुल्लाह को चेतावनी भी दी।

हमले के वक्त घर पर नहीं थे नेतन्याहू : हिजबुल्लाह ने नेतन्याहू के होम टाउन सिसेरिया को ड्रोन से निशाना बनाया था। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने इस हमले की पुष्टि की थी। पीएमओ ने बताया कि इस हमले में पीएम नेतन्याहू का निजी आवास निशाने पर था। हमले के वक्त नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे। ड्रोन सिसेरिया की एक इमारत पर गिरा। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) के मुताबिक लेबनान से इजराइल पर 3 ड्रोन दागे गए। इजराइली फोर्सेस ने 2 ड्रोन को मार गिराया। आईडीएफ ने माना है कि उनका एयर डिफेंस सिस्टम हमले को रोकने में विफल रहा। उन्होंने कहा कि वे ड्रोन घुसपैठ की जांच कर रहे हैं।

इजराइली सेना का फरमान- दाहियेह इलाके को तुरंत खाली करें इजराइली सेना ने लेबनान की राजधानी बेरूत के दाहियेह इलाके को तुरंत खाली करने के लिए कहा है। ढ्ढष्ठस्र ने यहां दो इमारतों को टारगेट करने के लिए कहा है। इजराइल ने इन इमारतों को हिजबुल्लाह का ठिकाना बताया है। लिहाजा उन इमारतों के आस-पास रहने वाले लोगों से कम से कम 500 मीटर दूर जाने के लिए कहा है। गाजा में इजराइली हमले में 73 की मौत गाजा के उत्तरी हिस्से के बेइत लाहिया इलाके में इजराइली हमले में 73 लोगों की मौत हो गई है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक अभी भी सैकड़ों लोग मलबे में फंसे हुए हैं। गाजा के सरकारी मीडिया के मुताबिक हमले वाली जगह पर बचाव कार्य जारी है। हालांकि मौत का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है। गाजा के उत्तरी इलाकों में 16 दिनों से इजराइली सेना ने नाकाबंदी की हुई है। इसकी वजह से भोजन, पानी और दवाओं की सप्लाई कट गई है। वहीं दक्षिणी गाजा के खान यूनिस में हुए हमले में भी पांच लोग मारे गए हैं। इनमें चार इंजीनियर और एक कर्मचारी शामिल हैं। ये सभी इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े मरम्मत के काम में जुटे हुए थे। ड्रोन अटैक के बाद भड़के नेतन्याहू, कहा ईरान हिजबुल्लाह को चुकानी होगी भारी कीमत इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के घर पर ड्रोन अटैक के बाद अपने पहले बयान में उन्होंने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. नेतन्याहू ने ईरान हिजबुल्लाह को खुली चुनौती दी है. उन्होंने कहा कि कहा ईरान हिजबुल्लाह को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी. उन्होंने कहा कि जो कोई भी इजराइल के नागरिकों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, उसे भारी कीमत चुकानी पड़ेगी. इस बीच संयुक्त राष्ट्र में ईरानी दूतावास ने ड्रोन अटैक को लेकर प्रतिक्रिया दी है और कहा कि इसमें ईरान का हाथ नहीं है. इसके पीछे हिजबुल्लाह शामिल है. इसकी जानकारी इजराइल के विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर दी है. इजराइल के विदेश मंत्री कैट्ज ने ट्वीट किया, संयुक्त राष्ट्र में ईरानी दूतावास ने इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर हत्या के प्रयास की जिम्मेदारी से इनकार किया है. साथ ही दावा किया है कि इसके पीछे हिजबुल्लाह का हाथ था. हालांकि इजराइल के विदेश मंत्री ने कहा कि वह जिसे ईरान ने बनाया उसका वित्तपोषण किया, हथियार दिए, प्रशिक्षित किया और अब अपने सभी कार्यों को नियंत्रित करता है. वह अचानक उसे एक स्वतंत्र इकाई के रूप में चित्रित किया जा रहा है. यह ईरान का झूठ और झूठे बहाने हैं. आप इसके लिए जिम्मेदार हैं. नेतन्याहू ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, मेरी पत्नी और मुझे मारने की कोशिश करके ईरान हिजबुल्लाह ने एक बड़ी गलती की है. नेतन्याहू ने कहा कि हत्या की कोशिश उन्हें या इजराइल को आतंकवादियों को खत्म करने से नहीं रोकेगा. रिपोर्ट के अनुसार हमले के समय नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे. टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के अनुसार शनिवार की सुबह लेबनान से दागे गए दो अन्य ड्रोनों को इजराइल की वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया. इन हमलों के बाद तेल अवीव में सायरन बजने लगे थे।

बढ़ते तनाव को कम करने की कोशिश, मिस्र और लेबनान के विदेश मंत्रियों की फोन पर बातचीत

काहिरा, एजेंसी। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और उनके लेबनानी समकक्ष अब्दुल्ला बौ हबीब ने लेबनान के हालात और क्षेत्र में बिगड़ती स्थिति को नियंत्रित करने के प्रयासों पर चर्चा की। मिस्र के विदेश मंत्रालय ने बताया कि शुक्रवार को फोन पर बातचीत में अब्देलती ने लेबनान में तत्काल युद्ध विराम के लिए मिस्र की कोशिशों की चर्चा की। बयान के अनुसार, अब्देलती ने बढ़ते तनाव को कम करने की जरुरत पर बल दिया, ताकि क्षेत्र को बड़े पैमाने पर युद्ध में घसीटे जाने से रोका जा सके। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मिस्र के शीर्ष राजनयिक ने दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र अंतरिम बल (यूएनआईएफआईएल) को इजरायली सेना द्वारा जानबूझकर निशाना बनाए जाने की निंदा की। अब्देलती ने मौजूदा गंभीर परिस्थितियों के मद्देनजर लेबनान को हर तरह की सहायता प्रदान करने की मिस्र की इच्छा पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि मिस्र ने अब तक लेबनान को 44 टन सहायता भेजी है। शीर्ष राजनयिकों के बीच यह चर्चा गाजा में इजरायली सेना द्वारा हमास नेता याह्या सिनवार की हत्या, गाजा और लेबनान में जारी इजरायली हमलों और ईरान पर हमला करने की इजरायली धमकियों के बाद बढ़ते क्षेत्रीय तनाव के बीच हुई। इस बीच जॉर्डन के किंग अब्दुल्ला द्वितीय ने गाजा पट्टी और लेबनान संघर्ष को कम करने के तरीकों पर इतालवी प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ चर्चा की। शुक्रवार को जॉर्डन के बंदरगाह शहर अकाबा में दोनों नेताओं की बैठक हुई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने जॉर्डन की सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा के हवाले से बताया कि दोनों नेताओं ने तत्काल युद्धविराम तक पहुंचने, नागरिकों की रक्षा करने और लोगों की पीड़ा को समाप्त करने के प्रयासों को तेज करने की जरुरत पर जोर दिया।

पति से झगड़े का बदला: महिला ने बच्चों को 23वीं मंजिल की खिड़की से बाहर एसी पर बिठाया

बीजिंग, एजेंसी। चीन के हेनान प्रांत के लुओयांग शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जहां एक महिला ने पति से झगड़े के बाद अपने दो छोटे बच्चों को 23वीं मंजिल के अपार्टमेंट की खिड़की से बाहर एयर कंडीशनर (एसी) यूनिट पर बिठा दिया। घटना 10 अक्तूबर को हुई और इसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पड़ोसियों ने जब बच्चों के रोने और चिल्लाने की आवाज सुनी, तो उन्होंने पुलिस को इसकी सूचना दी। इसके बाद तुरंत फायर डिपार्टमेंट की टीम को मौके पर बुलाया गया और उन्होंने बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। जब इस खतरनाक स्थिति की खबर फैली, तो लोग अपने अपार्टमेंट से बाहर आ गए और कुछ लोगों ने घटना का वीडियो भी रिकॉर्ड किया। वीडियो में देखा गया कि एक छोटी बच्ची रोते हुए दिखाई दी, जबकि उसका छोटा भाई एसी पर चुपचाप बैठा हुआ था। इस दौरान महिला अपने पति को बच्चों के पास जाने से रोक रही थी, जिससे स्थिति और भी खतरनाक हो गई थी। बच्चों ने किसी भी प्रकार का सुरक्षा गियर नहीं पहन रखा था, जिससे उनकी जान पर बड़ा खतरा मंडरा रहा था। दमकल विभाग के अधिकारियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए स्थिति को नियंत्रण में लिया और बच्चों को सुरक्षित तरीके से अपार्टमेंट के अंदर खींच लिया। इस बीच, पड़ोसियों में इस घटना को लेकर गहरा सदमा था।

कमला हैरिस की कितनी मदद कर पाएंगे ओबामा? आखिरी चरण में चुनावी प्रचार में उतरने के मायने

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए अगले महीने की पांच तारीख को मतदान होगा। इस चुनावी माहौल में डेमोक्रेटिक पार्टी की उम्मीदवार कमला हैरिस के लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा प्रचार में उतर आए हैं। ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल के साथ कमला हैरिस कई जगह प्रचार करेंगी। उनका उद्देश्य डेमोक्रेटिक मतदाताओं को एकजुट करना और चुनाव के नजदीक आते ही राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन करना है। हालांकि पूर्व राष्ट्रपति की लोकप्रियता इस बात की ओर इशारा करती है कि वे उन राज्यों में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं, जहां जीत का अंतर कम है। ओबामा की लोकप्रियता से हैरिस को फायदा मिलने की उम्मीद भी है, लेकिन इसके साथ ही कुछ चुनौतियां भी हैं।

सोशल मीडिया पर ओबामा के भाषण के बाद मिली जुली प्रतिक्रिया

पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की कुछ टिप्पणियों ने अश्वेत मतदाताओं में नेगेटिव रिस्पांस पैदा किया है। उन्होंने हाल ही में हैरिस के समर्थन में अश्वेत पुरुष मतदाताओं को दोषी ठहराया था, जिससे उनके प्रति समर्थन में कमी आने की आशंका भी बढ़ गई है। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि क्या ओबामा का समर्थन वास्तव में हैरिस के लिए फायदेमंद साबित होगा। सोशल मीडिया पर ओबामा के भाषण के बाद मिली जुली प्रतिक्रिया आ रही है। 17 प्रतिशत लोगों ने उनकी बातें पॉजिटिव बताई हैं, जबकि 33 प्रतिशत ने नेगेटिव रिस्पांस दी है। कई लोगों ने उनके कमेंट को अपमानजनक और परेशान करने वाला बताया है। ऐसे में कमला हैरिस

की चुनावी जीत के लिए मजबूत नींव तैयार करना मुश्किल हो सकता है। ओबामा के असर से डेमोक्रेटिक पार्टी को सही तालमेल बिठाना होगा बहरहाल कमला हैरिस के लिए ओबामा का प्रचार बहुत महत्वपूर्ण है। वे उन राज्यों में जीतने के लिए जोरशोर से प्रचार कर रही हैं, जहां डेमोक्रेट्स को अपनी स्थिति मजबूत करने की जरूरत है। लेकिन ओबामा के नेगेटिव इंपैक्ट को नजरअंदाज करना आसान नहीं होगा। इस चुनावी दौर में हैरिस को उम्मीद है कि ओबामा की मौजूदगी उनके ग्राउंड गेम को मजबूती देगी। हालांकि उन्हें यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी भी नकारात्मक टिप्पणी से बचना अत्यंत जरूरी है। ओबामा के असर से डेमोक्रेटिक पार्टी को इस चुनाव में सही तालमेल बिठाना होगा। कमला हैरिस के लिए ओबामा का समर्थन उनके अभियान को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभा रहा है। ओबामा की मौजूदगी मतदाताओं को उस समय की याद दिलाती है, जब 2008 में उनके चुने जाने पर देश में आशा और उत्साह का माहौल था। कमला हैरिस ओबामा की उपलब्धियों, जैसे अफोर्डेबल केयर एक्ट और जलवायु परिवर्तन की नीतियों से खुद को जोड़कर अपना इमेज मजबूत कर रही हैं। वह खुद को उन नीतियों को आगे बढ़ाने वाली नेता के रूप में दिखा रही हैं, जो देश के विकास के लिए नए कदम उठाने को तैयार हैं। ओबामा का समर्थन हैरिस के लिए निरंतरता और प्रगति का प्रतीक है।

पोलियो से उभर नहीं पा रहा पाकिस्तान, चार और नए मामले आए सामने, अब तक मिले 37 मरीज

इस्लामाबाद , एजेंसी। 2024 तक पाकिस्तान पोलियो वायरस संक्रमण से अब तक उभर नहीं पाया है। हाल ही में पाकिस्तान में चार नए मामले सामने आए। इसी के साथ ही, पाकिस्तान में इस साल पोलियों संक्रमण के मामले बढ़कर 37 हो गए हैं। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक, इस्लामाबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ में पोलियो उन्मूलन ने नए 4 मामलों की पुष्टि की है।

खबर के मुताबिक, यह चार नए मामले बच्चों में जंगली पोलियोवायरस टाइप-1 की पुष्टि हुई है। इन मामलों में बलूचिस्तान के तीन और खैबर पख्तूनख्वा का एक बच्चा शामिल है। पोलियों से प्रभावित बच्चों में पिशिन की एक लड़की, बलूचिस्तान के चमन और नोशकी के दो लड़के और खैबर पख्तूनख्वा के लक्की मरवत जिले की एक लड़की शामिल है। अधिकारी ने बताया कि नोशकी और लक्की मरवत से इस साल रिपोर्ट किए गए ये पहले मामले हैं। इससे पहले, चमन और पिशिन में इस साल की शुरुआत में एक-एक मामला सामने आया था। पाकिस्तान में अब तक पोलियो के 37 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 20 बलूचिस्तान में, 10 सिंध में, पांच खैबर पख्तूनख्वा में और एक-एक पंजाब और इस्लामाबाद में पाए गए हैं। अधिकारी ने बताया कि इन मामलों पर फिलहाल जेनेटिक सीक्वेंसिंग की जा रही है। बता दें, 2023 और 2024 की शुरुआत में बलूचिस्तान और दक्षिणी खैबर पख्तूनख्वा में पोलियोवायरस के खिलाफ़ लड़ाई में बाधाएं आईं। स्थानीय विरोध, असुरक्षा और सामुदायिक बहिष्कार के कारण टीकाकरण के प्रयास बाधित हुए। नोशकी अफगानिस्तान की सीमा के पास स्थित है और क्वेटा और मस्तंग जिलों के साथ सीमा साझा करता है। हाल के महीनों में इन क्षेत्रों में डब्लयूपीवी1 के लिए सकारात्मक पर्यावरणीय नमूने देखे गए हैं, जो वायरस के प्रसार का संकेत देते हैं। इसी तरह, लक्की मरवत ने भी कई सकारात्मक पर्यावरणीय नमूनों की सूचना दी है। आगामी टीकाकरण अभियान राष्ट्रव्यापी पोलियो टीकाकरण अभियान 28 अक्टूबर से शुरू होने वाला है। इस पहल का लक्ष्य पांच साल से कम उम्र के 45 मिलियन से अधिक बच्चों को लकवाग्रस्त पोलियो से बचाना है। यह प्रयास पूरे देश में वायरस के प्रसार को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है।

कनाडा में अब भारतीय के साथ नस्लीय बदसलूकी, वृद्धा ने कहा- तुम काले हो... सब वापस जाओ

ओटावा, एजेंसी। कनाडा और भारत के बीच संबंध तेजी से बिगड़ते जा रहे हैं, और इस तनाव के बीच एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक भारतीय नागरिक, अश्विन अन्नामलाई, को कनाडा में नस्लीय भेदभाव का सामना करते हुए देखा जा रहा है। अन्नामलाई, जो पिछले छह साल से कनाडा में रह रहे हैं और हाल ही में नागरिकता प्राप्त की है, ने बताया कि जब वह वाटरलू, ओंटारियो में टहल रहे थे, तो एक बुजुर्ग महिला ने उन्हें नस्लवादी टिप्पणी की।

वीडियो में अन्नामलाई महिला को समझाते हैं कि वे भी एक कनाडाई हैं, लेकिन महिला इस बात से असहमत होती हैं। महिला अन्नामलाई के स्किन कलर पर टिप्पणी करते हुए कहती हैं, तुम कनाडाई नहीं हो। यहां बहुत सारे भारतीय हैं, और मैं चाहती हूं कि तुम वापस जाओ। तुम्हारे माता-पिता और दादा-दादी यहां के नहीं हैं। जब अन्नामलाई ने महिला से पूछा कि क्या वह फ्रेंच बोल सकती है (कनाडा की दूसरी आधिकारिक भाषा), तो महिला ने इसका जवाब नहीं दिया और केवल यह कहा, वापस जाओ। वापस भारत जाओ। अन्नामलाई ने अपने पोस्ट में कहा कि यह घटना अकेली नहीं है। इस साल के शुरू से ही ऐसी घृणित घटनाएं बढ़ रही हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह के व्यवहार को पूरे कनाडा पर नहीं थोपना चाहिए और लोगों को एकजुट होकर समस्याओं का समाधान खोजना चाहिए। भारत-कनाडा संबंधों में गिरावट के बाद से, कनाडा में रहने वाले भारतीय नागरिकों को अक्सर नस्लीय टिप्पणियों का सामना करना पड़ रहा है। अन्नामलाई ने कहा कि उन्हें कभी भी ऐसी कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा जो आज के अंतर्राष्ट्रीय छात्र झेल रहे हैं, और यह कनाडा अब वैसा नहीं रहा जैसा वे आए थे।

सेना की तैयारी देखने पहुंचे शी जिनपिंग, सैनिकों से कहा- युद्ध के लिए तैयार रहो

बीजिंग, एजेंसी। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी सेना की तैयारियों को देखने पहुंचे। अपनी विजिट के दौरान जिनपिंग ने सैनिकों से कहा कि सेना युद्ध के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत रखे, रॉकेट फोर्स ब्रिगेड का जायजा लेने पहुंचे शी ने परमाणु हथियारों पर भी जोर देने को कहा। चीनी राष्ट्रपति का सैन्य साजो सामान और सेना का हौसला बढ़ाने का यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब चीनी सेना लगातार ताइवान के सामने युद्धाभ्यास कर चुनौती पेश कर रही है वहीं भारत के साथ भी सीमा पर टकराव की स्थिति बनी हुई है। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी के अनुसार, शी के इस दौरे के दौरान सैनिकों का उत्साह देखने लायक था। राष्ट्रपति ने सैनिकों से कहा कि हमें व्यापक रूप से युद्ध के लिए तैयार रहना होगा, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारे सैनिकों के पास युद्ध को लड़ने के लिए ठोस क्षमताएं हों। सैनिकों को युद्ध के दौरान काम आने वाली रणनीतिक क्षमताओं का बढ़ाना चाहिए। चीन ने ताइवान के पास तैनात किए अपने लड़ाकू जेट चीन लगातार ताइवान के ऊपर हमलावर रुख अपनाए हुए हैं। ताइवान को घेरने के लिए ड्रैगन ने लड़ाकू जेट, ड्रोन, युद्धपोत और तट रक्षक जहाजों को तैनात किया है। पिछले दो वर्षों में द्वीपीय देश ताइवान के सामने चीनी सेना का यह चौथा युद्धाभ्यास चल रहा है। चीन की सेना का युद्धाभ्यास ताइवान की धड़कन को बढ़ाने वाला है क्योंकि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता लगातार अपने भाषणों में जोर देकर इस बात को कहते रहते हैं कि वह ताइवान को बीजिंग के नियंत्रण में लाने के लिए सैन्य बल प्रयोग के लिए मना नहीं करेंगे।ठुरिपोर्ट के मुताबिक राष्ट्रपति जिनपिंग ने कहा कि चीनी सेना को देश की रणनीतिक सुरक्षा और मुख्य हितों की रक्षा के

लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। रॉकेट फोर्स को 2015 में शी द्वारा सैन्य पुनर्गठन के तहत स्थापित किया गया था। यह सेना में चलाए जा रहे भ्रष्टाचार रोधी अभियान के केंद्र में रही है। सत्तारूढ़ सीपीसी का नेतृत्व कर रहे राष्ट्रपति पद पर आसीन शी (71) चीनी सेना के समग्र उच्च कमान, केंद्रीय सैन्य आयोग के भी प्रमुख हैं। लंबी और छोटी दूरी की मिसाइलों का संचालन करने वाली रॉकेट फोर्स का उनका दौरा महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि हाल के वर्षों में इस प्रमुख सैन्य इकाई में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाया गया है। पूर्व रक्षा मंत्री जनरल ली शांगफू सहित इसके कई अधिकारियों को कथित भ्रष्टाचार के कारण बर्खास्त कर दिया गया था। जनरल ली शांगफू, रक्षा मंत्री के रूप में पदोन्नत किये जाने से पहले रॉकेट फोर्स के प्रमुख थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

करवा चौथ की खु?शियां मातम में बदलीं, पति-पत्नी ने की आत्महत्या

जयपुर। करवा चौथ की खुशियां एक परिवार के लिए मातम में बदल गई। जब मामूली कहासुनी के बाद पति-पत्नी दोनों ने आत्महत्या कर ली। यह घटना जयपुर के हरमाड़ा थाना क्षेत्र के नांगल सिरस गांव की है, जहां में करवा चौथ की रात 38 वर्षीय घनश्याम बुनकर और उसकी 35 वर्षीय पत्नी मोनिका उर्फ मोना ने आत्महत्या कर ली। सूत्रों के मुताबिक करवा चौथ पर घनश्याम देर रात घर लौटा, जिससे दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में आकर मोनिका रात करीब 12 :30 बजे घर से बाहर निकल गई। घनश्याम भी उसे रोकने के लिए पीछे-पीछे गया। जब वे जयरामपुरा पुलिया के पास पहुंचे तो मोनिका ने रेलवे ट्रैक पर छलांग लगा दी। ट्रेन से टकराने के बाद मोनिका के शरीर के टुकड़े-टुकड़े हो गए। पत्नी की मौत से दुखी घनश्याम खुद को संभाल नहीं सका और घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

भाई को किया मैसेज, मांगी माफी- एसएचओ उदयभान ने बताया कि पति-पत्नी के बीच घर देर से लौटने को लेकर झगड़ा हुआ था, इसके बाद मोनिका ने आत्मघाती कदम उठाया, जबकि घनश्याम इस दुख को सहन नहीं कर सका। इससे पहले, घनश्याम ने अपने भाई को एक वॉट्सऐप मैसेज भेजा था, जिसमें उसने अपनी हार की बात कही और माफी मांगी, साथ ही अपने परिवार की देखभाल करने की अपील की। पुलिस ने दोनों के शवों को कांवटिया हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में भेज दिया और पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नर्मदा नदी के किनारे अवैध निर्माण हटाएगी मोहन सरकार

भोपाल । प्रदेश सहित देश की जीवन दायिनी नर्मदा नदी के किनारों का सेटेलाईट और ड्रोन से कैचमेंट सर्वेक्षण होगा। मोहन सरकार इसकी निगरानी भी कराएगी। नर्मदा और उसकी सहायक नदियों का सीमांकन होगा। जहां अतिक्रमण हैं, वहां से अवैध निर्माण हटाए जाएंगे। साथ ही नर्मदा की सहायक नदियों को पुनर्जीवित करने का काम होगा। नर्मदा किनारे बसे धार्मिक स्थलों, अमरकंटक और ओंकारेश्वर को सेटेलाईट सिटी के रूप में विकसित करने योजना तैयार होगी। नर्मदा के किनारे बड़ी बिल्डिंग के निर्माण नहीं हो सकते है। इस काम का रिव्यू नवंबर के दूसरे सप्ताह में होगा। इसके लिए 11 विभागों की जिम्मेदारी तय की गई है। मोहन सरकार ने सितंबर में इस लेकर मंत्रिमंडलीय समिति की बैठक में फैसला किया था। इस समिति में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के अलावा डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा, नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहाद पटेल, परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, पीएचई मंत्री संपतिया उइके और वन मंत्री राम निवास रावत शामिल हैं।

गांदरबल में हुए आतंकी हमले की जांच करेगी एनआईए?

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में हुए आतंकी हमले की जिम्मेदारी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है। इस हमले में एक डॉक्टर समेत 6 प्रवासी मजदूरों की मौत हो गई थी। सूत्रों के अनुसार टीआरएफ का चीफ शेख सज्जाद गुल इस हमले का मास्टरमाइंड है। गुल के कहने पर ही यह हमला किया गया। इस बीच एनआईए की चार सदस्यीय टीम सोमवार को घटनास्थल का दौरा किया। बताया जा रहा है कि एनआईए को इस हमले की जांच सौंपी गई है। यह पहली बार है जब कश्मीरियों और गैर-कश्मीरियों को एकसाथ निशाना बनाया गया है। मालूम हो कि सीनियर पत्रकार शुजात बुखारी की हत्या में भी टीआरएफ का ही नाम आया था। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस हत्याकांड में शामिल तीन लोगों की पहचान की थी। हमले में शामिल दो लोग साउथ कश्मीर के रहने वाले और तीसरा पाकिस्तानी नागरिक था। टीआरएफ का गठन शेख सज्जाद गुल ने साल 2019 में किया। हालांकि, इस संगठन अस्तित्व में लाने की साजिश सीमा पार से चल रही थी। टीआरएफ लंबे समय से कश्मीर में सक्रिय है जिसके गुर्गों ने कश्मीरी पंडितों और बाहरियों को टारगेट किया है।

हिंदुत्व शब्द को बदलने की याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने किया खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हिंदुत्व शब्द को भारतीय संविधानत्व शब्द से बदलने की याचिका खारिज कर दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेपी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने सुनवाई के दौरान याचिका को प्रक्रिया का दुरुपयोग करार दिया। याचिका दिल्ली के विकासपुरी निवासी एसएन कुंद्रा ने दायर की थी, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि हिंदुत्व शब्द की जगह भारतीय संविधानत्व शब्द का इस्तेमाल किया जाए। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह कहते हुए याचिका खारिज दी कि इस तरह के मामलों को आगे बढ़ाना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा और यह कोर्ट के समय और संसाधनों का अनुचित उपयोग है। कोर्ट ने कहा कि हम इस याचिका को स्वीकार नहीं करेंगे। यह याचिका प्रक्रिया का दुरुपयोग है और इसे आगे बढ़ाने का कोई आधार नहीं है। कोर्ट के इस फैसले के साथ ही यह मामला खत्म हो गया है।

बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र, चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना

नई दिल्ली। अंडमान सागर के ऊपर चक्रवाती दबाव सोमवार को निम्न दबाव वाले क्षेत्र में बदल गया और इसके 23 अक्टूबर तक तूफान में बदलने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि रविवार को उत्तरी अंडमान सागर और उससे सटे बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने चक्रवाती दबाव ने पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना दिया है। विभाग ने कहा कि इसके पश्चिम-उत्तरपश्चिम की ओर बढ़ने और 22 अक्टूबर की सुबह तीव्र होकर दबाव के रूप में परिवर्तित होने और 23 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान में बदलने की पूरी संभावना है।

महाराष्ट्र में महारार: कांग्रेस और उद्धव सेना में सीटों पर भारी तकरार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में केवल एक महीने का वक्त बचा हुआ है। मतलब 20 नवंबर को मतदान होना है और विपक्षी गठबंधन एमवीए ने अभी तक सीट शेयरिंग फॉर्मूला पेश नहीं किया है। खबरें ये भी हैं कि कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के बीच तनातनी ज्यादा चल रही है। दोनों ही दलों के दिग्गज दिग्गज नेता और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) चीफ शरद पवार के द्वार पहुंचे हैं। राज्य में 20 नवंबर को मतदान होगा। रिपोर्ट के अनुसार, रविवार को एआईसीसी की चुनाव और स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकें होना थीं, लेकिन सीट शेयरिंग में सहमति नहीं बनने के चलते ये रद्द हो गईं। कहा जा रहा है कि समितियां अगले 1-2 दिनों में फिर मीटिंग कर सकती हैं। इधर, शनिवार को एमवीए में सीट शेयरिंग पर दोबारा बातचीत शुरू हो गई थी।

खबर है कि शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे और एमएलसी अनिल परब ने भी सीनियर पवार से मुलाकात की है। पदाधिकारियों का कहना है कि मीटिंग घोषणापत्र के चलते की गई थी, लेकिन राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सीट पर छिड़ी रार अभी पूरी तरह शांत नहीं हुई है। यह खासतौर से शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के बीच जारी है। रविवार के उद्धव ठाकरे ने भी मातोश्री में पार्टी पदाधिकारियों की बैठक ली।कांग्रेस के एक पदाधिकारी ने कहा कि अगर सीट बंटवारे पर सहमति नहीं बनती है, तो पार्टी किसी भी स्थिति के लिए तैयार है। वहीं, शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भी कहा है कि राजनीति में कुछ भी हो सकता है। शनिवार को ही कांग्रेस के महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्नीथला ने शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्ध ठाकरे और पवार से मुलाकात की थी। एआईसीसी की तरफ से भी सीडब्ल्यूसी के सदस्य नसीम खान को स्थिति संभालने के लिए मैदान में उतारा गया है। उन्होंने अखबार को बताया, विवादित सीटों को लेकर शरद पवार से मेरी छोटी सी मुलाकात हुई है। एमवीए के सूत्रधार होने के नाते उन्होंने उद्धव ठाकरे और संजय राउत दोनों से मुलाकात की है। मुझे भरोसा है कि शरद पवार के हस्तक्षेप के बाद विवाद सुलझ जाएगा।रिपोर्ट के अनुसार, कांग्रेस के पदाधिकारी ने शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) को लेकर कहा, उनकी मांग वास्तविक नहीं हैं। वे ऐसी सीटों की मांग कर रहे हैं, जहां उनकी मौजूदगी लगभग शून्य है।

राष्ट्रपति के हाथों जल संरक्षण में केरल और छत्तीसगढ़ को मिला पुरस्कार

नई दिल्ली। 22 अक्टूबर को नई दिल्ली में राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू जल संरक्षण के लिए जल अवार्ड का प्रथम पुरस्कार केरल को तथा द्वितीय पुरस्कार छत्तीसगढ़ को समारोह में देंगी । केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के पल्लमपारा गांव जो कि लगभग 26 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।यहां के ग्रामवासियों ने 12 किलोमीटर दूर वामन पुरम नदी तक गांव के पर्यावरण और जल संरक्षण के लिए संयुक्त प्रयास किया। हरित कर्म सेना बनाई गई। इस सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा जल स्रोत में कचरा डालने से रोका गया। सफाई के लिए विशेष इंतजाम किए गए। बारिश का पानी रोकने के लिए छोटे-छोटे बांध बनाए गए। उनके आसपास वृक्षारोपण किया गया। मनरेगा के तहत पुराने तालाबों और कुओं की साफ सफाई की गई। 600 नए तालाब खोदे गए। जिसके कारण इस क्षेत्र की स्थिति बिल्कुल बदल गई है। 910 हेक्टेयर क्षेत्र में वाटरशेड परियोजना चलाई जा रही है।सारा गांव हरा भरा हो गया है। पेयजल भी स्थानीय निवासियों को आसानी से मिल रहा है। इसे जल अवार्ड का प्रथम पुरस्कार मिला है। द्वितीय पुरस्कार छत्तीसगढ़ के मासूलपानी गांव को प्राप्त हुआ है। गांव से लगे हुए पहाड़ से जो पानी आता है उसे गांव में ही रोका गया। इसके लिए चोटी से घाटी तक पानी को रोकने के लिए चेक डैम बनाए गए। मनरेगा के अंतर्गत 277 छोटी-छोटी कृषि डवरियाँ तैयार की गई। 50 सोलर पंप लगाकर किसानों की 125 एकड़ भूमि को सिंचित बनाया गया। गांव के लोग पानी की कमी के कारण मजदूरी करने के लिए गांव से बाहर जाते थे। अब उन्हें गांव पर ही काम मिलने लगा है। अब यह गांव आसपास के लोगों को भी रोजगार दे रहा है।

डिजिटल प्लेटफार्म के जरिए जम्मू कश्मीर के युवाओं को बनाया जा रहा आतंकी

श्रीनगर। संयुक्त राष्ट्र ने बार-बार भर्ती और हिंसा भड़काने सहित विभिन्न नापाक उद्देश्यों के लिए प्रचार का लाभ उठाने में आतंकवादी समूहों के प्रभाव को रेखांकित किया है। इन चुनौतियों के जवाब में, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने 2017 के संकल्प 2354 (व्यापक अंतरराष्ट्रीय रूपरेखा) को अपनाया था। इसके बाद भी पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और विभिन्न आतंकी समूह जम्मू-कश्मीर में दहशतगर्दों की भर्ती बढ़ाने के लिए अब डिजिटल प्लेटफार्म का उपयोग कर रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि सुरक्षाबलों की कड़ी नाकेबंदी के कारण उनके लिए युवाओं से सीधे संपर्क करना मुश्किल होता जा रहा है। ये समूह अब मुख्य रूप से एक्स (पुराना नाम ट्विटर), फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मैसेजिंग एप का इस्तेमाल कर भावनात्मक रूप से कमजोर युवाओं को लक्षित कर रहे हैं। आईएसआई और आतंकी समूह पहचान छिपाने के लिए फर्जी प्रोफाइल और वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क (वीपीएन) का इस्तेमाल कर रहे हैं। वांछित युवाओं की पहचान होते ही उन्हें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने निजी ग्रुपों में शामिल कर लेते हैं। इन ग्रुपों में युवाओं को बरगलाने के लिए उन्हें सुरक्षा बलों के अत्याचारों को दर्शाने वाले मनगढ़ंत वीडियो सहित फर्जी तरीके से बनाई गई इसी तरह की सामग्री भेजी जाती है। यह रणनीति आईएसआई से जुड़े संचालकों की ओर से नफरत फैलाने और भर्ती के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने के लिए अपनाई जाती है।

रुसी सेना में जबरन भर्ती 20 भारतीयों की रिहाई जल्द संभव

-करीब 85 भारतीयों को रिहा किया गया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कजान यात्रा से पहले विदेश मंत्रालय ने कहा कि नई दिल्ली द्वारा मॉस्को के समक्ष मामला उठाए जाने के बाद से करीब 85 भारतीय जिन्हें रूसी सेना में धोखे से भर्ती किया गया था, उन्हें रिहा कर दिया गया है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि रूसी सेना से अभी भी 20 भारतीयों को रिहा किया जाना बाकी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि शेष भारतीयों की जल्द रिहाई के लिए कोशिश के बारे में बताया हैं। इसके अलावा भारतीय विदेश सचिव मिसरी ने कहा कि भारत और चीन सोमवार को वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त करने के लिए एक समझौते पर पहुँचे। यह समझौता लद्दाख सेक्टर के देपसांग और डेमचोक इलाकों में गश्त से संबंधित है। एलएसी पर गश्त पर समझौते पर विदेश सचिव मिस्री ने कहा, पिछले कई हफ्तों में हुई चर्चाओं के परिणामस्वरूप भारत-चीन सीमा क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त व्यवस्था पर सहमति बन गई है और इससे 2020 में इन क्षेत्रों में उत्पन्न हुए मुद्दों का समाधान हो रहा है। विदेश सचिव मिस्री ने बताया कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में संस्थापक सदस्यों के साथ-साथ नए सदस्य भी भाग लेने वाले है। शिखर सम्मेलन 22 अक्टूबर को शुरू होगा और पहले दिन शाम को नेताओं के लिए रात्रिभोज होगा। शिखर सम्मेलन का मुख्य दिन 23 अक्टूबर है, जो दो सत्रों में होगा। सुबह एक बंद पूर्ण सत्र और उसके बाद दोपहर में एक खुला पूर्ण सत्र जो शिखर सम्मेलन के मुख्य विषय पर समर्पित होगा। शिखर सम्मेलन 24 अक्टूबर को समाप्त होगा लेकिन प्रधानमंत्री स्वदेश में महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताओं के कारण 23 अक्टूबर को नई दिल्ली लौटने की उम्मीद है।

सीजेआई पर विवादित बयान दे फंसे राम गोपाल यादव... विवाद बढ़ने पर मारी पलटी

-अखिलेश यादव को चाचा की आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में जानकारी नहीं

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी सांसद राम गोपाल यादव ने तब बड़ा विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ को कैमरे पर गाली दी। दरअसल राम गोपाल यादव से अयोध्या विवाद के संदर्भ में की गई टिप्पणी भगवान से प्रार्थना के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछा गया था। हालांकि, आलोचनाओं का सामना करने के बाद, सपा नेता यादव ने यह कहकर अपना बयान वापस ले लिया कि किसी ने भी उनसे सीजेआई के बारे में कुछ नहीं पूछा था। सपा नेता यादव ने कहा मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। जब आप भूतों को जीवित करते हैं, जब आप मृतकों को जीवित करते हैं, तब वे भूत बन जाते हैं और न्याय का पालन करना शुरू कर देते हैं। वे अब कहां हैं?... भूल जाइए, इसतरह सभी घटिया लोग ऐसी बातें कहते रहते हैं। क्या मुझे उन पर ध्यान देना चाहिए?

बाद में, जब सपा नेता यादव ने आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया, तब उन्होंने ऐसा कोई बयान देने से इंकार कर तर्क दिया कि उन्हें बहराइच हिंसा पर प्रतिक्रिया देने के लिए कहा गया था। उन्होंने कहा, किसी ने मुझसे सीजेआई के बारे में कुछ नहीं पूछा। सीजेआई बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। मैंने कभी (उन पर) कोई टिप्पणी नहीं की। मुझसे बहराइच (हिंसा) के बारे में पूछा गया और मैंने उसका जवाब दिया। विवाद पर प्रतिक्रिया देकर पूर्व सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें अपने चाचा द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बारे में जानकारी नहीं है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा कि उन्होंने फैसला सुनाने से पहले राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के समाधान के लिए प्रार्थना की थी।

अयोध्या मामले पर 3 माह तक विचार-विमर्श करने के अपने समय को याद कर सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, अक्सर हमारे पास मामले (निर्णय के लिए) होते हैं, लेकिन हम समाधान पर नहीं पहुंचते। अयोध्या (राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद) के दौरान भी कुछ ऐसा ही हुआ था, जो 3 महीने तक मेरे सामने था।

बाते दें कि राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद लंबे समय से कानूनी और राजनीतिक मुद्दा रहा है कि क्या 16वीं सदी की मुगल मस्जिद उस जगह पर मंदिर को ध्वस्त करने के बाद बनाई गई थी, जिसे भगवान राम का जन्मस्थान बताया जाता है।

केंद्र की योजनाओं पर नजर रखेंगे शिवराज

-पीएम मोदी ने योजनाओं और बजट घोषणाओं के तेज क्रियान्वयन के लिए निगरानी समूह बनाया

-पहली बैठक में सभी प्रमुख सचिवों ने लिया था भाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्र सरकार की योजनाओं और बजट घोषणाओं के तेज कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक विशेष निगरानी समूह का गठन किया है। केंद्र की सभी योजनाओं पर नजर रखने जैसी अहम जिम्मेदारी शिवराज को पीएमओ ने सौंपी है, जिससे उनका कद राजनीतिक गलियारे में भी और बढ़ गया है। बताते चलें कि निगरानी समूह की पहली बैठक 18 अक्टूबर को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में आयोजित की गई थी, जिसमें सभी प्रमुख सचिवों ने भाग लिया था।

पीएमओ ने एक जानकारी में बताया है कि इस निगरानी समूह का उद्देश्य 2014 से अब तक घोषित सभी योजनाओं, बजट घोषणाओं और अधीनस्थ कानूनों की प्रगति पर नजर रखना है, ताकि उन्हें समय पर और प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। समूह हर महीने पीएमओ में बैठक करेगा और योजनाओं की समीक्षा करेगा। बैठक में अतिरिक्त सचिव और संयुक्त सचिव भी शामिल होंगे, जो इन योजनाओं के नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार सरकारी योजनाओं में देरी को लेकर चिंता जाहिर कर चुके हैं, और यह कदम उनकी इसी चिंता का परिणाम बताया जा रहा है। माना जा रहा है कि शिवराज की अध्यक्षता वाला यह निगरानी समूह योजनाओं की प्रगति को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जिन्हें एक कुशल प्रशासक माना जाता है, अब सचिवों को पीएमओ की अपेक्षाओं से अवगत कराएंगे और किसी भी योजना के पिछड़ने या अंतर-मंत्रालयी समर्थन की आवश्यकता होने पर संबंधित मंत्रालयों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। पीएम मोदी की इस पहल से उम्मीद है कि योजनाओं के कार्यान्वयन में तेजी आएगी, जिससे जनता को समय पर लाभ मिल सकेगा और सरकारी योजनाओं की प्रगति में सुधार आएगा।

बेंगलुरु में भारी बारिश के कारण स्कूलों में छुटटी... निचले इलाकों और सड़कों पर पानी भरा

पणजी(एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। बेंगलुरु में बीतें दो दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ और कई निचले इलाकों और सड़कों पर पानी भर गया है। बेंगलुरु के उपायुक्त (शहरी) जगदीश जी. ने भारी बारिश के बीच सोमवार को स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों को बंद रखने का आदेश दिया है।

बेंगलुरु में एक सप्ताह के भीतर भारी बारिश के कारण स्कूल बंद करने के आदेश दूसरी बार दिए गए हैं। बारिश के बीच यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए जलमग्न सड़कों से गुजरे। शहर के कई स्थानों में पेड़ गिरने के कारण वाहनों का आवागमन प्रभावित हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने लिए बेंगलुरु में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। कलेक्टर ने कहा कि यह निर्णय एहतियाती उपाय और छात्रों के हित में लिया गया है। हालांकि, अन्य सभी डिग्री पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर कार्यक्रम, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग और आईटीआई खुले रहने वाले है। कॉलेजों के प्रमुखों और संबंधित व्यक्तियों को कॉलेजों में व्याख्यान आयोजित करते समय कुछ बिंदुओं पर विचार करने के लिए एक सामान्य निर्देश दिया गया है। यदि कमजोर, जीर्ण भवन हैं तो ऐसी इमारतों का उपयोग व्याख्यान के लिए नहीं किया जा सकता है। इस संबंध में, कॉलेजों के प्रमुखों को कॉलेज भवनों की अच्छी स्थिति पर ध्यान देना चाहिए और किसी भी दुर्घटना से बचने के लिए उचित उपाय करने चाहिए, अधिकारियों ने कहा।

एहतियाती उपाय के रूप में, छुट्टी के कारण पढ़ाई के समय की कमी को शनिवार दोपहर या रविवार को अतिरिक्त कक्षाएं आयोजित करके पूरा किया जाता है। विद्यार्थियों के अभिभावकों, कॉलेज प्रमुखों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विद्यार्थी पानी वाले निचले इलाकों में न जाएं। विद्यार्थियों द्वारा कॉलेज आने-जाने के लिए उपयोग किए जाने वाले वाहनों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

दो या दो अधिक बच्चे वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे

- आंध्र प्रदेश में घटती युवा आबादी पर सीएम चंद्रबाबू नायडू चिंतित हैं, इस ?लिए नया कानून बनाएंगे

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में घटती युवा आबादी पर सीएम चंद्रबाबू नायडू चिंतित हैं। राज्य में जनसंख्या दर को बढ़ाने के लिए उनकी सरकार नया कानून लाने की योजना बना रही है। इसके तहत आंध्र प्रदेश में दो या दो अधिक बच्चे वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ सकेंगे। सीएम नायडू ने कहा कि उनकी सरकार जल्द ही इस बाबत कानून बनाने की योजना बना रही है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य सरकार पॉपुलेशन मैनेजमेंट को लागू करने की योजना बना रही है, जिसमें अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रोत्साहित करने के लिए नए कानून पर विचार किया जा रहा है। नायडू ने कहा ?कि राज्य सरकार एक ऐसा कानून लाने पर विचार कर रही है, जिसके तहत केवल दो से अधिक बच्चों वाले लोग ही स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के पात्र होंगे। राज्य ने पहले दो से अधिक बच्चों वाले लोगों को स्थानीय चुनाव लड़ने से रोकने वाला कानून पारित किया था, लेकिन हमने उस कानून को निरस्त कर दिया है। राज्य में अधिक वाले परिवारों को अधिक लाभ प्रदान कर सकती है। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने राज्य में गिरती जनसंख्या पर चिंता जाहिर करते हुए कहा ?कि आंध्र सहित दक्षिण भारत में बुढ़ापे की समस्या के लक्षण दिखने लगे हैं। जापान, चीन और कुछ यूरोपीय राष्ट्र जैसे कई देश इस समस्या से जूझ रहे हैं, जहां बुजुर्गों की आबादी अधिक है। दक्षिण भारत में युवा लोगों के देश के अन्य हिस्सों या विदेश में पलायन करने से समस्या और भी बढ़ गई है। सीएम ने बताया कि दक्षिणी राज्यों में प्रजनन दर पहले ही 1.6 तक गिर गई है, जो राष्ट्रीय औसत 2.1 से काफी कम है। ऐसा ही चलता रहा तो 2047 तक बुजुर्गों की आबादी में जबरदस्त वृद्धि हो जाएगी, जो चिंता का विषय है। चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि देश के गांव में सिर्फ बुजुर्ग लोग ही बचे हैं। युवा आबादी शहरों में चली गई है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गांधीनगर से सूचना मिलने पर CID ने सूरत में एक रेव पार्टी पर छापा मारा

इंजीनियर, ज़मीन दलाल युवक, और सिक्किम-नेपाल की युवतियों समेत १४ लोग ड्रग्स, गांजा और शराब की पार्टी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गांधीनगर से सूचना मिलने पर CID क्राइम ने सूरत के मगदल्ला गांव क्षेत्र में स्थित एक घर पर छापा मारकर ड्रग्स, गांजा और शराब के साथ चल रही पार्टी का भंडाफोड़ किया। CID क्राइम द्वारा एक थाई लड़की समेत ९ युवतियों और ५ युवकों को हिरासत में लिया गया है, जिसमें इंजीनियर, जमीन दलाल युवक शामिल हैं, और युवतियां सिक्किम और नेपाल की हैं।

सभी का सूरत सिविल अस्पताल में मेडिकल टेस्ट के लिए सैंपल लिया गया है। सभी आरोपियों को CID क्राइम ऑफिस ले जाया गया है। CID क्राइम ने ड्रग्स का मामला दर्ज किया है और मेडिकल जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्पा में काम करने वाली एक लड़की समेत नौ महिलाओं को पकड़ा गया।

मिली जानकारी के अनुसार, सूरत शहर के मगदल्ला गांव के एक मोहल्ले के मकान में रात में स्पा गर्ल्स और ड्रग्स के साथ पार्टी चलने की सूचना मिली थी, जिस पर CID क्राइम टीम ने छापा मारा। इस दौरान ड्रग्स, गांजा और शराब के साथ चल रही पार्टी पकड़ी गई। स्पा में काम करने वाली लड़कियों समेत नौ महिलाएं और पांच युवक पकड़े गए हैं। इन सभी को हिरासत में लिया गया है। युवतियां मगदल्ला गांव में ही रहकर स्पा में नौकरी कर रही थीं। ड्रग्स, गांजा और शराब के साथ पार्टी कर रहे १४ में से एक आरोपी अमितकुमार यादव के घर में यह पार्टी चल रही थी। पार्टी में शामिल नौकरीपेशा लोग, इंजीनियर, हीरा दलाल, डेटा प्रोसेसर और जमीन दलालों को गिरफ्तार किया गया है। पकड़ी गई ९ महिलाएं मगदल्ला गांव में रहकर स्पा में काम करती थीं। सभी के खिलाफ ड्रग्स का मामला दर्ज किया गया है।

CID क्राइम ने सभी १४ आरोपियों को सूरत सिविल अस्पताल में मेडिकल जांच के लिए भेजा है और मेडिकल जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। शुरुआत में सभी के खिलाफ ड्रग्स का मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पार्टी से ९ ग्राम एमडी ड्रग्स, २२ ग्राम गांजा और सात शराब की बोतलें जब्त की गई हैं।

दिवाली से पहले सूरत में चल रही एक नबीरा पार्टी पर पुलिस ने छापा मारा, जिसमें विदेशी लड़कियों समेत १४ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना तब सामने आई जब पुलिस ने एक रेव पार्टी पर कार्रवाई की, जहां नशे और अवैध गतिविधियां हो रही थीं। पार्टी में विदेश से आई हुई लड़कियों की भी मौजूदगी थी, और सभी लोग नशीली दवाओं का सेवन कर रहे थे।

पुलिस ने मौके से नशीले पदार्थ, शराब, और अन्य अवैध सामान बरामद किया है। छापे के बाद सभी आरोपियों को हिरासत में लिया गया और उन पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से दिवाली से पहले चल रही अवैध पार्टियों पर नकेल कसी गई है।

नायक मराठा समाज सेवा संघ द्वारा दशहरा सम्मेलन का आयोजन सूरत में किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

महाराष्ट्रीयन समाज के लोग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में रक्तदान शिविर, दीप प्रज्वलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वागत समारोह, तेजस्वी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह, और भोजन समारोह का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर, १०वीं कक्षा में ९७त्न अंक प्राप्त करने वाले छात्र जीत मोरे को नायक मराठा समाज सेवा संघ के अध्यक्ष श्री अशोक आत्माराम पोटे और उनके परिवार द्वारा एक एक्सेस गाड़ी भेंट की गई। वहीं, १०वीं कक्षा में ९४त्न अंक प्राप्त करने वाली छात्रा मृणाल महाडिक, ९३त्न अंक प्राप्त करने वाले छात्रों कशिश कदम, प्रगति गावडे और गंगा शेडगे, तथा इंस्टीट्यूट ऑफ सिविल इंजीनियरिंग एंड आर्किटेक्ट की छात्रा मिषा मोरे को समाज की ओर से स्वर्णमूर्ति और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन पाल स्थित एसएमसी कम्युनिटी हॉल में भव्य तरीके से किया गया। पूरे कार्यक्रम का संचालन अशोक आत्माराम पोटे, सचिव गणेशभाई पी. सावंत, खजांची प्रदीप मोरे और अन्य समाजसेवकों ने किया। इस प्रकार के आयोजन को समाज द्वारा सराहा गया।

चार लोगों को टक्कर मार दी नशे में धुत कार चालक ने और फिर अपनी Renault Kwid कार को BRTS डिवाइडर से टकरा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के अलथान में २० अक्टूबर की रात एक हादसा सामने आया, जिसमें नशे में धुत कार चालक ने चार लोगों को टक्कर मार दी और फिर अपनी Renault Kwid कार को BRTS डिवाइडर से टकरा दिया। इस घटना से लोग इतने आक्रोशित हो गए कि उन्होंने चालक को कार से बाहर खींचकर उसकी पिटाई की। एक अन्य युवक ने कार के बोनट पर चढ़कर उसकी विंडशील्ड पर जोर से लात मारकर उसे तोड़ दिया। इस पूरी घटना का वीडियो अब सामने आया है, जिसमें गुस्साई भीड़ ने मौके पर ही चालक को सबक सिखाया।

कार चालक ने रास्ते में दो से तीन लोगों को टक्कर मारी। रविवार रात पांडेसरा इलाके में GJ 05 RJ 0177 नंबर की सफेद रंग की कार के चालक ने बेकाबू होकर दो से तीन लोगों को टक्कर मारी। इसके बाद, कार को तेजी से भगाते हुए वह अलथान पहुंचा, जहां उसने कार को BRTS रूट पर डिवाइडर से टकरा दिया। चालक की इस हरकत से स्थानीय लोग भड़क गए और बड़ी संख्या में वहां इकट्ठा हो गए।

भीड़ ने कार चालक को बाहर निकालकर पीटा। गुस्से से भरी भीड़ ने कार को घेर लिया और चालक को बाहर निकालने का प्रयास किया। भीड़ में से एक युवक, जिसने काली टी-शर्ट पहन रखी थी, कार के बोनट पर चढ़कर लगातार उस पर लात मारने लगा। दूसरी ओर, एक व्यक्ति ने कार का दरवाजा खोलकर चालक को लातों और घूंसे से पीटा। इसके बाद, चालक को बाहर खींचकर भी पिटाई की गई।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जैसे ही घटना की जानकारी मिली, स्थानीय अलथान पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और कार चालक को लेकर पुलिस स्टेशन रवाना हो गई, जहां उससे पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया कि चालक नशे में था।

अलथान पुलिस ने आगे बताया कि कार चालक पिंकश दलाल अस्पताल में काम करता है और नशे की हालत में कार चला रहा था। शुरुआती जांच में पता चला कि उसने पांडेसरा इलाके में दो-तीन लोगों को टक्कर मारी और फिर अलथान पहुंचा। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ IPC की धारा २८१, ३२४, MV Act की धारा १८५, और Prohibition Act की धारा ६६(१) (B) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

उधना दरवाजा ओवरब्रिज पर हाल ही में हुए एक दर्दनाक हादसे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना दरवाजा ओवरब्रिज पर हाल ही में हुए एक दर्दनाक हादसे में एक कपड़ा व्यापारी की जान चली गई। नशे में धुत देव आहीर नामक एक युवक ने तेज़ गति से कार चलाते हुए व्यापारी संजय धूत की बाइक को टक्कर मार दी, जिससे संजय की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी देव को गिरफ्तार कर लिया है। जांच से पता चला है कि देव पहले भी नशे में कई हादसे कर चुका है, और उसके खिलाफ गंभीर आरोप हैं। देव का परिवार, खासकर उसके दादा ओघड़भाई आहीर, उसके सुधार के लिए पहले भी नशामुक्ति केंद्र में भर्ती करा चुके थे, लेकिन उसका व्यवहार नहीं बदला। देव के माता-पिता का निधन हो चुका है, और वह अपने दादा-दादी और छोटे भाई के साथ रहता है। परिवार उसकी आदतों से परेशान है, और दादा ने बताया कि देव ने पहले पेट्रोल पंप जलाने का प्रयास किया था, जिसके लिए उसे ७० दिन जेल में भी रहना पड़ा था।

उधना इलाके में एक संदिग्ध तरीके से कार से ३१ लाख रुपये की चोरी का मामला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उधना इलाके में एक संदिग्ध तरीके से कार से ३१ लाख रुपये की चोरी का मामला यह घटना उस समय हुई जब ड्राइवर बिना कार लॉक किए अपना काम करने बाहर गया था। इसी दौरान, दो बाइक सवार व्यक्तियों ने कार का दरवाजा खोलकर ३१ लाख रुपये से भरा बैग चुरा लिया और फरार हो गए। यह चोरी उधना पुलिस स्टेशन के इलाके में स्वामीनारायण मंदिर के पास फ्लाईओवर ब्रिज के नीचे दिनदहाड़े हुई। डीसीपी भगीरथ गढ़वी ने बताया कि कार में उस वक्त कोई नहीं था और ड्राइवर बाहर था। शुरुआती जांच के अनुसार, चोरों ने कुछ समय तक पीछा किया और फिर बैग चुराकर फरार हो गए। चुराए गए पैसे मोबाइल बिक्री के कलेक्शन के थे। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

'लाइसेंस रद्द करने की तैयारी' पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी पिंकश ने नशे की हालत में कार चलाई, इसलिए उसके ड्राइविंग लाइसेंस को रद्द करने के लिए आरटीओ सूरत को रिपोर्ट भेजने की भी तैयारी की जा रही है। आरोपी सूरत शहर के अडाजन इलाके में स्थित सुमन ज्योत SMC आवास में रहता है।

गुजरात के वेलंजा-अंकलेश्वर से २५० करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का ड्रग्स पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.

गुजरात में ड्रग्स के बढ़ते मामले से राज्य को ड्रग्स का हब माना जा रहा है। हाल ही में सूरत के वेलंजा गाँव में रंगोली चौकड़ी के पास से २ किलो से अधिक एमडी ड्रग्स पकड़ी गई। साथ ही भरूच जिले के अंकलेश्वर जीआईडीसी में अवसर एंटरप्राइज नामक फैक्ट्री से डेढ़ सौ ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई। इसके अलावा, ४३० किलोग्राम संदिग्ध मादक पदार्थों के साथ ४ आरोपियों को पकड़ा गया, जिनके पास से २ करोड़ से अधिक के ड्रग्स मिले।

क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि विशाल पटेल नामक व्यक्ति अंकलेश्वर जीआईडीसी एस्टेट में स्थित अवसर एंटरप्राइज फैक्ट्री में एमडी ड्रग्स का उत्पादन कर रहा है। उसके साथी मोंटू पटेल, विराट पटेल और विपुल पटेल स्कोडा कार में ड्रग्स का खेप लेकर वेलंजा गाँव रंगोली चौकड़ी की ओर जा रहे थे। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने दो टीमें बनाई और अंकलेश्वर तथा वेलंजा गाँव में छापा मारा।

क्राइम ब्रांच की टीम ने रंगोली चौकड़ी की तरफ जाते हुए राज होटल के पास से मोंटू पटेल, विराट पटेल और विपुल पटेल को २.०३१ ग्राम एमडी ड्रग्स (मूल्य २.०३ करोड़ रुपये) और स्कोडा स्लाविया कार के साथ गिरफ्तार किया। कुल २.१६ करोड़ रुपये के ड्रग्स जब्त किए गए, और कामरेज पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।